कोटद्वार, रविवार
11 अगस्त 2024
वर्षः 46
अंकः 107 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

कांवड़ के जाम में फंस रही बसें, 20 मिनट का सफर करने में लग रहा 3 से 4 घंटा

हल्द्वानी। दिल्ली रूट पर गढ़ मुक्तेश्वर में कांवड़ के चलते हल्द्वानी और काठगोदाम डिपो की 30 बसें फंस गई हैं। वहीं जाम की वजह से तीन वॉल्वो बसों को नहीं भेजा गया। निरस्त कर दिया गया। जाम की वजह से बसों को घूमकर आना पड़ रहा है। जिससे हल्द्वानी में बसों को पहुंचने में 8 से 10 घंटे की देरी हो रही है। वहीं गढ़ मुक्तेश्वर को पार करने में 20 मिनट की बजाय तीन से चार घंटे लग रहे हैं। शनिवार दोपहर करीब ढाई बजे दिल्ली से लौटे बस के परिचालक पूरन ने बताया कि शुक्रवार की दोपहर गढ़मुक्तेश्वर के करीब जोया तक पहुंच गए थे, लेकिन यहां जाम में फंस गए। बताया कि 20 मिनट का रास्ता पार करने में 4 घंटे लग गया था। सुबह 5 बजे दिल्ली से वापस आए हैं और रास्ता डायवर्ट होने के कारण अभी ढाई बजे यहां पहुंच पाए। दिल्ली को निकले सुनील सिंह ने बताया रात में गढ़ में करीब 3 घंटे जाम में फंसने के कारण सुबह 9 बजे दिल्ली पहुंच पाए हैं। वापसी में बिजनौर के रास्ते आ रहे हैं, लेकिन यहां भी बड़े वाहनों का जाम है। वरिष्ठ स्टेशन प्रबंधक इंदिरा भट्ट ने बताया बसें देरी से आने के कारण सुबह 10 बजे, दोपहर 12 बजे और ढाई बजे की वॉल्वो बस भी दिल्ली के लिए नहीं भेजी जा सकी।

सड़क हादसा में स्कूल से घर जा रहे एक छात्र की मौत, दूसरा घायल

देहरादून। थाना रायपुर क्षेत्र में सहस्त्रधारा रोड पर स्कूटी और यूटिलिटी वाहन के बीच टक्कर हो गई है, जिससे हादसे में स्कूटी सवार दो छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायल छात्रों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टर ने एक छात्र को मृत घोषित कर दिया, जबकि दूसरे छात्र को मैक्स अस्पताल रेफर किया। बहरहाल पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है।

बताया जा रहा है कि शिव शक्ति पंचायती मंदिर बालावाला निवासी 16 वर्षीय अक्षित भट्ट अपने दोस्त रिक्षित कुकरेती के साथ स्कूल की छुट्टी होने के बाद सहस्त्रधारा रोड से घर जा रहा था। इसी दौरान दो नाली शिव मंदिर के पास उनकी स्कूटी एक यूटिलिटी वाहन से टकरा गई, जिससे हादसे में अक्षित भट्ट और रिक्षित कुकरेती गंभीर रूप से घायल हो गए।स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को सूचना दी गई। वहीं, सूचना मिलने के बाद रायपुर पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से दोनों छात्रों को इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया, लेकिन डॉक्टर ने अक्षित भट्ट को मृत घोषित कर दिया और रक्षित कुकरेती की गंभीर हालत देखते हुए मैक्स अस्पताल रेफर कर दिया, जहां, रक्षित का इलाज चल रहा है। थाना रायपुर प्रभारी प्रदीप नेगी ने बताया कि टक्कर मारने वाले यूटिलिटी वाहन को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है, लेकिन ड्राइवर मौके से फरार हो गया है। उन्होंने कहा कि फरार ड्राइवर की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। साथ ही घटना के संबध में अग्रिम कार्रवाई भी की जा रही है।

मॉल में नंगे पांव पहुंचे कांवडियों की नो एंट्री!

रांची ,रांची के एक मॉल में नंगे पाव पहुंचे लोगों को प्रवेश करने से रोके जाने पर विवाद खड़ा हो गया है। जिन लोगों को मॉल के प्रोटोकॉल का हवाला देकर घुसने से रोका गया, वे लोग देवघर स्थित बाबा धाम की कांवर यात्रा के बाद रांची लौटे थे। उनका कहना है कि कांवरिया वेशभूषा में होने की वजह से उन्हें रोका गया।

रोके गए कांवरियों में से एक सुशांत चौबे ने कहा कि वे लोग देवघर में पैदल कांवर यात्रा पूरी तरह लौटे थे। रास्ते में 'मॉल ऑफ रांची' दिखा तो वे जरूरत का सामान और जूता–चप्पल खरीदने के लिए अंदर जाने लगे, इस पर उन्हें पहले गार्ड ने रोक दिया। इसके बाद मैनेजर ने प्रोटोकॉल का हवाला दिया और कहा कि नंगे पांव आए लोगों को एंट्री नहीं दी जा सकती।

इसको लेकर काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच बहस होती रही। झारखंड के प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने इस घटना पर विरोध जताते हुए प्रशासन से कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा है, मॉल प्रबंधन द्वारा शिव भक्तों को मॉल के अंदर प्रवेश करने से रोकना खेदजनक है।

भूस्खलन से हुई तबाही देख भावुक हुए पीएम मोदी

वायनाड ,भूस्खलन से तबाह हुए वायनाड के दौरे पर गए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को क्षतिग्रस्त जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लरमाला का दौरा किया और पूछा कि कितने बच्चों ने अपने अपने माता–पिता को खोया है।हवाई जहाज से कलपेट्टा में उतरने के बाद, वह सबसे पहले क्षतिग्रस्त सरकारी जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लरमाला में पहुंचे। भावुक हुए प्रधानमंत्री मोदी ने मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी से पूछा,कितने बच्चों ने अपने प्रियजनों को खोया है। प्रधानमंत्री मोदी क्षतिग्रस्त स्कूल को देखकर बहुत दुखी हुए। उन्होंने भूस्खलन पीड़ितों के पुनर्वास के बारे में मुख्यमंत्री से बात की।

जी.वी.एच.एस. स्कूल वेल्लरमाला में 582 छात्र थे। इनमें से 27 लापता बताए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने स्कूल में 15 मिनट बिताए और नए स्कूल भवन की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। पीएम मोदी ने भारतीय सेना द्वारा बनाए गए 190 फीट लंबे बेली ब्रिज का भी दौरा किया। वह उस पर चले और रक्षा अधिकारियों से बातचीत की। उन्होंने एक स्थानीय अस्पताल और राहत शिविर का दौरा किया और घायलों से मुलाकात की। पीएम मोदी एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी करेंगे। इसमें केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और अन्य अधिकारी मौजूद रहेंगे। प्रधानमंत्री के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र का दौरा करने से एक दिन पहले, केरल सरकार ने आपदा प्रभावित क्षेत्र में पुनर्वास और राहत कार्य के लिए केंद्र से दो हजार करोड़ रुपये की मांग की थी।

चमोली के दीपेंद्र कंडारी जम्मू–कश्मीर के तंगधार में शहीद

देहरादून। चमोली जिले के रहने वाले दीपेंद्र कंडारी जम्मू कश्मीर के तंगधार में शहीद हो गये हैं। दीपेंद्र कंडारी चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक के करछुना गांव के रहने वाले थे। वे 17वी बटालियन गढ़वाल राइफल में तैनात थे। दीपेंद्र कंडारी की शहादत की खबर के बाद से पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। चमोली जिले के पोखरी ब्लॉक के करछुना गांव निवासी दीपेंद्र कंडारी जम्मू–कश्मीर के तंगधार क्षेत्र में शहीद हो गए। दीपेंद्र सूबेदार पद पर 17 वी बटालियन गढ़वाल राइफल में तैनात थे। बताया जा रहा है कि शहीद दीपेंद्र कंडारी 17 वी बटालियन गढ़वाल राइफल का अहम हिस्सा थे। दीपेंद्र कंडारी की शहादत को एक बड़ा नुकसान बताया जा रहा है। दीपेंद्र कंडारी की शहादत की खबर परिजनों को दे दी गई है। खबर सुनने के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा है। बताया जा रहा है कि शहीद दीपेंद्र कंडारी का परिवार देहरादून में रहता है। 11 अगस्त सुबह 9 बजे शहीद दीपेंद्र कंडारी का पार्थिव शरीर देहरादून पहुंचेगा। जहां से शहीद दीपेंद्र कंडारी के पार्थिव शरीर को शिमला बाईपास नयागांव स्थित उनके आवास पर ले जाया जाएगा। शहीद दीपेंद्र कंडारी आवास पर उनका पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। जिसके बाद शहीद दीपेंद्र कंडारी का अंतिम संस्कार सैन्य सम्मान के साथ नयागांव घाट पर किया जाएगा।

कोटद्वार की दांयी खो नहर के पुनरोद्धार/जीर्णोद्धार के कार्य हेतु 463.16 लाख स्वीकृत

● मुख्यमंत्री ने राज्य में कई कामों के लिए वित्तीय स्वीकृतियां की मंजूर

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने नाबार्ड के अंतर्गत जनपद देहरादून के रायपुर विकासखण्ड के भोपालपानी में क्षतिग्रस्त कड़ाई खाला गूल का जीर्णोद्धार, थानों मुख्य नहर के हैड व कुलावों की मरम्मत/पुनर्निर्माण कार्य हेतु 488.40 लाख की स्वीकृति एवं विधानसभा क्षेत्र विकासनगर के विकासखण्ड सहसपुर में ग्राम छखा जंगलात चौकी वार्ड नं0-15 में 01 नवीन नलकूप स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली के निर्माण हेतु 156.57 लाख की स्वीकृति प्रदान की है।'नाबार्ड मद के अन्तर्गत जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखण्ड दुगड्डा के कोटद्वार क्षेत्रान्तर्गत दांयी खो नहर के पुनरोद्धार/जीर्णोद्वद्धार के कार्य हेतु 463.16 लाख की स्वीकृति, विकासखण्ड पौडी के ग्राम ल्वाली में लिफ्ट सिंचाई योजना के निर्माण हेतु 175.54 लाख की योजना की स्वीकृति, एवं विकासखण्ड थलीसैंण के ग्राम पैठानी में लिफ्ट सिंचाई योजना के निर्माण हेतु 126.68 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। जनपद पौड़ी गढ़वाल के विकासखंड पोखड़ा के ग्राम किमगड़ी में दतगाड़ नाले से भू-कटाव रोधी योजना के लिए मुख्यमंत्री ने 452.26 लाख रुपये का अनुमोदन प्रदान किया है। इसके अतिरिक्त एकेश्वर के अंतर्गत ग्राम कोटा में कोटा नाले से भू-कटाव रोधी योजना के

लिए 107.70 लाख रुपये एवं एकेश्वर में ही बगड़सेरा तोक की पश्चिमी नयार नदी से भूकटावरोधी योजना के लिए 196.43 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। नाबार्ड मद के अन्तर्गत जनपद अल्मोडा के विकासखण्ड चौखुटिया में स्प्रिंकलर आधारित 01 संख्या भेल्ट लिफ्ट सिंचाई योजना के निर्माण की परियोजना हेतु 100.49 लाख की स्वीकृति एवं विकासखण्ड द्वाराहाट की छाना नहर के जीर्णोद्धार की परियोजना हेतु 217.31 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। नाबार्ड मद के अन्तर्गत जनपद चमोली के विकासखण्ड पोखरी में 12 पर्वतीय नहरों के पुनरोद्धार हेतु 254.62 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। नाबार्ड मद के अन्तर्गत जनपद ऊधमसिंहनगर के विकासखण्ड रूद्रपुर की किच्छा नहर के लाइनिंग कार्य हेतु 180.81 लाख की स्वीकृति, विकासखंड रूद्रपुर की सिरसा नहर के लाइनिंग का कार्य हेतु 137.10 लाख की स्वीकृति, तहसील सितारगंज में उत्तर प्रदेश राज्य से प्राप्त सिसैया नहर के आधुनिकीकरण एवं पुनरोद्धार के कार्य हेतु 290 लाख की स्वीकृति, तहसील खटीमा में चन्देली माईनर के आधुनिकीकरण एवं पुनरोद्धार की योजना हेतु 212.51 लाख की स्वीकृति, एवं तहसील खटीमा में नहर सं0-03, 03ए, 03बी के पुनरोद्धार की योजना हेतु 162.58 लाख की स्वीकृति प्रदान की है। जनपद उधमसिंहनगर के नगर निगम काशीपुर में ढेला नदी से ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं मानपुर सैनी फार्म कॉलोनी, सिल्वर सिटी कालोनी आदि की आबादी को बाढ़ से बचाव के लिए मुख्यमंत्री ने 488.0 लाख के कार्यों को अपना अनुमोदन प्रदान किया है। नाबार्ड मद के अंतर्गत जनपद रूद्रप्रयाग के विकासखण्ड जखोली में अवस्थित लस्तर मुख्य नहर एवं क्षतिग्रस्त 8 किमी0 ऑफ सूटों के पुनरोद्धार तथा पाइप द्वारा 10.214 किमी0 नए आफ सूटों के निर्माण हेतु 761.33 लाख की स्वीकृति एवं विकासखण्ड जखोली के अंतर्गत तैला. सुमाड़ी, तुमेटा तथा सिरवाडी में 04 सं0 लिफ्ट सिंचाई योजना के निर्माण हेतु 500.38 लाख की स्वीकृति प्रदान की है।

हाईकोर्ट ने बताए ... वरिष्ठ नागरिकों की संपत्ति की सुरक्षा को लेकर डीएम के अधिकार

नैनीताल। उत्तराखंड माता–पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण और कल्याण नियम 2011 की व्याख्या करते हुए उत्तराखंड हाई कोर्ट ने इस संबंध में जिला मजिस्ट्रेट के अधिकार बताए। हाई कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक के कब्जे वाली संपत्ति में हस्तक्षेप करने वाले अतिक्रमणकारी को बेदखल करने की मांग करने वाला आवेदन जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष मान्य होगा। माता–पिता और वरिष्ठ नागरिक भरण–पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के तहत यह डीएम के समक्ष विचारणीय होगा। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, हाई कोर्ट के जस्टिस विवेक भारती शर्मा की पीठ ने एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों, उत्तराखंड नियमों और विभिन्न न्यायालयों द्वारा लिए गए विचारों के संयुक्त अध्ययन से यह न्यायालय इस बात पर दृढ़ राय रखता है कि अधिनियम जिला मजिस्ट्रेट को वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और स्वतंत्रता की रक्षा करने का अधिकार देता है। अधिनियम के प्रावधानों को प्रभावी ढंग से लागू करने की अनुमति देने के लिए 'बेदखली' की शक्ति की भी

परिकल्पना करता है। बेदखली का आदेश देने की ऐसी शक्ति इसमें निहित है और इसके विपरीत निर्णय लेने से वह उद्देश्य ही विफल हो जाएगा जिसके लिए अधिनियम बनाया गया था। यह कानून का एक स्थापित सिद्धांत है कि जहां एक अधिनियम अधिकार क्षेत्र प्रदान करता है, वहां यह निहित रूप से ऐसे सभी कार्य करने या ऐसे साधनों को नियोजित करने की शक्ति भी प्रदान करता है जो इसके निष्पादन के लिए आवश्यक हैं। अधिनियम की धारा 22 (1) में यह प्रावधान है कि राज्य सरकार इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने के लिए जिला मजिस्ट्रेट को शक्तियां प्रदान कर सकती है। धारा 22 (2) में यह प्रावधान है कि राज्य सरकार वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए एक व्यापक कार्य योजना प्रदान करेगी। इसी के परिणामस्वरूप, राज्य ने उत्तराखंड माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण और कल्याण नियम, 2011 तैयार किए हैं। उत्तराखंड माता–पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण–पोषण और कल्याण नियम, 2011 के नियम 19 में जिला मजिस्ट्रेट पर यह सुनिश्चित करने का कर्तव्य आरोपित किया गया है कि वरिष्ठ नागरिकों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की जाए। कोर्ट ने कहा कि 'सुरक्षा और सम्मान' शब्द को अधिनियम के विभिन्न उद्देश्यों के प्रकाश में समझा जाना चाहिए, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करके सामाजिक न्याय की अवधारणा को मजबूत करना है कि बुजुर्ग लोग भयमुक्त जीवन जीएं। इसलिए, 'सुरक्षा और सम्मान' शब्द को व्यापक रूप से समझा जाना चाहिए और इसे किसी भी सीमा के अधीन नहीं किया जा सकता है जो अधिनियम के उद्देश्य को विफल कर सकता है।

केदारनाथ में पहाड़ गिरने से मची अफरा–तफरी, सहमे लोग

रुद्रप्रयाग , उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश से लोगों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। शनिवार को एक बार फिर रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे के डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने की घटना सामने आई है। डोलिया देवी के पास पहाड़ टूटने से पहाड़ी से राजमार्ग पर पूरा पहाड़ भरभराकर गिर पड़ा। पहाड़ से बड़े बड़े बोल्डर और मलबा भारी मात्रा में आ कर सडक़ पर गिर गया। जिससे सडक़ मार्ग बाधित हो गया। दरअसल शुक्रवार देर रात केदारघाटी में जोरदार बारिश हुई। जिसके बाद शनिवार को मौसम के साफ होते ही पहाड़ टूटकर गिर गया। गनीमत रही कि जब पहाड़ टूटकर गिरा उस वक्त कोई सडक़ से गुजर नहीं रहा था। जिसके कारण एक बड़ा हादसा होने से टल गया। रुद्रप्रयाग में केदारनाथ हाईवे पर पहाड़ के टूटकर गिरने के बाद अब सडक़ को खोलने का काम किया जा रहा है। वहीं केदारनाथ धाम में भारी बारिश से हुए नुकसान के बाद लगातार काम जारी है। लेकिन लगातार हो रही भारी बारिश से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश से जहां पहाड़ पर भूस्खलन और पहाड़ गिरने से सडक़ें बाधित हो रही हैं, वहीं भूस्खलन की चपेट में कई गांव आ रहे हैं।

हमें भारत आने दो' पानी में खड़े होकर मिन्नतें कर रहे हजारों बांग्लादेशी हिंदू

नई दिल्ली ,बांग्लादेश में भले ही नई सरकार बन गई है, लेकिन वहां हिंसा अभी भी जारी है। प्रदर्शनकारी, अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बना रहे हैं। बांग्लादेश से कई हिंदू परिवार अपने घर छोडक़र भारत आना चाहते हैं। हजारों की तादाद में हिंदू समुदाय के लोग भारत–बांग्लादेश सीमा पर मौजूद हैं। बंगाल के कूचबिहार के सितालकुची में करीब 1000 बांग्लादेशी जलाशय में खड़े होकर बीएसएफ से अनुरोध कर रहे हैं कि उन्हें भारत में प्रवेश की इजाजत दी जाए।

हालांकि, सीमा सुरक्षा को लेकर बीएसएफ भी अलर्ट है। बीएसएफ अधिकारियों ने बताया कि अब तक भारत में प्रवेश करने की कोशिश करने वालों का यह सबसे बड़ ग्रुप है। कूचबिहार के काशियार बरुनी इलाके के पठानटुली गांव में सीमा पार करने की कोशिश कर रहे लोगों में इतनी हताशा थी कि वे बाड़ के पार जलाशय में घंटों इंतजार करते रहे। कुछ लोग 'जय श्री राम' और 'भारत माता की जय' के नारे लगा रहे थे।

बीएसएफ कर्मियों ने इन लोगों को सीमा के जीरो पॉइंट (नो मैन्स लैंड) से 150 गज की दूरी पर बाड़ पार करने से रोक दिया । बीएसएफ जवानों की कई बार की गई अपील के बावजूद ये लोग बांग्लादेश के रंगपुर जिले के दोई खावा और गेंदुगुरी गांवों में अपने घरों को लौटने के लिए तैयार नहीं थे। बीएसएफ की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, यह उभरती चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। बंगाल के उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में पिछले कुछ दिनों से बांग्लादेश से लोगों का आना जारी है।

सीमा की सुरक्षा के लिए समिति का गठन

बता दें कि सीमा पर नजर रखने की खातिर सरकार ने एक समिति का गठन किया है। सीमा सुरक्षा बल के पूर्वी कमान के एडीजी को समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले बांग्लादेश सीमा पर सीमा सुरक्षा बल ने सतर्कता बढ़ा दी है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं ने भारत सरकार की चिंता बढ़ा दी है।

कठुआ पुलिस ने जारी किए 4 आतंकवादियों के स्केच, सूचना देने पर 5 लाख का इनाम

कठुआ ,जम्मू कश्मीर के कठुआ में हाल ही में देखे गए संदिग्ध आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चलाते हुए कठुआ पुलिस ने 4 आतंकवादियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों को आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोजधार के ढोक क्षेत्रों में देखा गया था। पुलिस ने जनता से अपील की है कि अगर इन आतंकवादियों के बारे में कोई जानकारी मिले, तो तुरंत पुलिस को सूचित किया जाए।प्रत्येक आतंकवादी के बारे में कार्रवाई योग्य सूचना देने पर 5 लाख रुपये का इनाम रखा गया है। इसके अलावा, जिन लोगों के पास इन आतंकवादियों के बारे में विश्वसनीय जानकारी है, उन्हें भी उचित पुरस्कार देने का वादा किया गया है।

कठुआ पुलिस ने सुरक्षा बढ़ा दी है और इन आतंकवादियों की खोज में

व्यापक अभियान शुरू किया है। पुलिस ने जनता से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत साझा करें। इन चारों आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियां काफी समय से चौकन्नी थीं। उन्हें घाटी के कुछ संवेदनशील इलाकों में देखा गया था, जहां उनकी संदिग्ध गतिविधियों के बारे में स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचित किया। इसके बाद कठुआ पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए इन संदिग्धों के स्केच तैयार किए और उन्हें सार्वजनिक किया।इस समय पुलिस और सुरक्षा बलों ने इलाके में तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील स्थानों पर चौकसी बढ़ा दी गई है। पुलिस ने लोगों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्तियों के बारे में तुरंत पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके और आतंकवादियों को गिरफ्तार किया जा सके।इस कदम का उद्देश्य आतंकवादियों को पकडऩा और इलाके में शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। इनाम की घोषणा से उम्मीद की जा रही है कि इससे आतंकवादियों के बारे में महत्वपूर्ण सुराग मिलने में मदद मिलेगी।

बता दें कि 10 जुलाई को कठुआ कस्बे से बदनोटा गांव में सेना के वाहन पर आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया था जिसमें चार सैनिक और एक स्थानीय पुलिसकर्मी सहित पांच सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए थे।

दिल्ली को दहलाने की तैयारी में था रिजवान

नई दिल्ली ,दिल्ली से गिरफ्तार आईएसआईएस आतंकी रिजवान अली ने पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। रिजवान दिल्ली में ब्लास्ट की तैयारी कर रहा था। उसने दिल्ली के जामिया और ओखला में यमुना के तटीय इलाकों में कंट्रोल ब्लास्ट किए थे। इतना ही नहीं ढ्ढरुढ्ढस् के पुणे मॉड्यूल के पकड़े जाने के बाद वह दिल्ली में नए मॉड्यूल को तैयार करने में जुटा था। पूछताछ में यह खुलासा हुआ है कि आतंकी रिजवान आतंक के कमांडर फरतुल्लाह गोरी के सीधे संपर्क में था। रिजवान ने पुणे में कंट्रोल ढ्ढश्वष्ठ ब्लास्ट की ट्रेनिंग ली थी। पुणे पुलिस के शिकंजे से बाहर निकलने के बाद रिजवान महाराष्ट्र और गुजरात के अलग–अलग शहरों में छिपा रहा। फरारी के दौरान भी वह फरतुल्लाह गोरी के संपर्क में था। बता दें कि लंबे अर्से से फरार आतंकी रिजवान को पकडऩे के लिए सुरक्षा बलों ने अपने नेटवर्क को लगातार एक्टिव कर रखा था।

मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्र ने की आत्महत्या

● यूक्रेन से एमबीबीएस कर रहा था युवक, 13 अगस्त को था यूक्रेन वापस जाना

देहरादून। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे उत्तराखंड के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। ये घटना डोईवाला कोतवाली क्षेत्र के प्रेमनगर गुरुद्वारा रोड की है। 22 वर्षीय युवक यूक्रेन से एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहा था। डोईवाला पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि कुछ दिन बाद ही छात्र को पढ़ाई पूरी करने यूक्रेन जाना था, लेकिन उससे पहले ही उसने अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी।

मेडिकल के छात्र ने की आत्महत्याः डोईवाला कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत प्रेमनगर गुरुद्वारा रोड पर अध्यापक ओमवीर सैनी का घर है। शनिवार सुबह उनके 22 वर्षीय बेटे हर्ष सैनी की डेड बॉडी मिली। आशंका है कि युवक ने देर रात सुसाइड किया होगा। मौके पर पहुंची पुलिस ने बॉडी को अस्पताल भिजवाया। डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया।

बताया जा रहा है कि हर्ष सैनी यूक्रेन से एमबीबीएस कर रहा था। इस बार उसका फोर्थ ईयर था। एक महीने पहले ही वो घर आया था। जानकारी के अनुसार हर्ष सैनी रोज की भांति खाना खाकर अपने दो मंजिला मकान पर अपने कमरे में सोने के लिए चला गया था। सुबह जब उनके पिताजी बेटे को जगाने के लिए गए, तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। आवाज लगाने के बाद भी जब अंदर से कोई आवाज नहीं आई, तो खिड़की से झांक कर देखा। पिता ने बेटे को उस अवस्था में पाया। आनन–फानन में दरवाजे को तोड़ा गया। युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया।

आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने को लेकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे केंद्र सरकार : मायावती

लखनऊ,बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार को घेरा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार आरक्षण में क्रीमीलेयर लागू करने और उपवर्गीकरण को लेकर दिए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ संसद में कानून लाकर अपनी स्थिति स्पष्ट करे। बसपा सुप्रीमो मायावती शनिवार को पत्रकारों से बातचीत कर रही थी। उन्होंने कहा कि केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े इस बेहद महत्वपूर्ण मामले पर मजबूती से पैरवी नहीं की, नहीं तो इस तरह का निर्णय न होता। इसी सत्र में संविधान में संशोधन न लाकर सत्र को स्थगित करना केंद्र सरकार की सोची समझी साजिश है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला अब बना रहेगा। पीएम ने अभी तक अधिकृत तौर पर कोई आश्वासन भी नहीं दिया है। केंद्र की सरकार ने

समय समय पर आरक्षण को खत्म करने की साजिश की है। आरक्षण से मिलने वाले लाभ और नौकरी में आरक्षण की व्यवस्था न करना बड़ी साजिश है। उन्होंने कहा कि देश के सभी एससी/एसटी वर्ग के सांसद, विधायक और अन्य पद पर बैठे लोगों को सजग रहने की जरूरत है। अगर ऐसा रहा तो आने वाले समय में आरक्षण को खत्म कर दिया जाएगा। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी आरक्षण की व्यवस्था हो। एससी/एसटी वर्ग के लोग न्यायालय में रहेंगे तभी इस वर्ग के लिए सही फैसला देंगे। उन्होंने कहा कि ये केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है कि जातीय जनगणना करवाई जाए। बसपा पहले से ही इसके पक्ष में रही है। बसपा मुखिया मायावती ने कहा कि भाजपा–कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पहले से ही एससी–एसटी वर्गों के आरक्षण के खिलाफ रही है। लोकसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस–सपा व अन्य दलों ने आरक्षण और संविधान बचाने की बात कहकर इन वर्गों का समर्थन हासिल कर लिया जिससे इन वर्गों की सच्ची हितैषी बसपा को नुकसान हुआ।

गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी जनता की फरियाद, मदद का दिया भरोसा

गोरखपुर , गोरखपुर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जनता दर्शन में लोगों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। इस दौरान सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़ितों की मदद और पात्रों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने में विलंब नहीं होना चाहिए। इसमें किसी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी स्तर पर कोई दिक्कत आ रही है तो उसका पता लगाकर निराकरण कराया जाए और किसी स्तर पर जानबूझकर प्रकरण को लंबित रखा गया है तो वहां जिम्मेदारी सुनिश्चित कर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

17 महीने बाद आजादी की सुबह की पहली चाय : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली ,आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को 17 महीने के बाद सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल गई। जेल से रिहा होने के बाद सिसोदिया ने शनिवार सुबह एक तस्वीर शेयर की। वह अपनी पत्नी के साथ चाय पीते हुए नजर आए।

मनीष सिसोदिया ने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा– आजादी की सुबह की पहली चाय, 17 महीने बाद। वह आजादी जो संविधान ने हम सब भारतीयों को जीने के अधिकार की गारंटी के रूप में दी है। वह आजादी जो ईश्वर ने हमें सबके साथ खुली हवा में सांस लेने के लिए दी है। इससे पहले शुक्रवार (9 अगस्त) को तिहाड़ जेल से बाहर

आने के बाद दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल के घर जाकर उनकी धर्मपत्नी सुनीता केजरीवाल और उनके माता–पिता से मुलाकात की थी। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने के बाद वो तिहाड़ से सीधे मुख्यमंत्री आवास पहुंचे थे। इस दौरान मनीष सिसोदिया से मिलकर सुनीता केजरीवाल भावुक हो उठीं। मनीष सिसोदिया ने सीएम अरविंद केजरीवाल के माता–पिता का पैर छूकर उनका आशीर्वाद लिया और हालचाल जाना।

इस दौरान उन्होंने दिल्ली सरकार के मंत्रियों और विधायकों से भी मुलाकात की और उनके बीच काफी देर तक अरविंद केजरीवाल के स्वास्थ्य और अन्य बिंदुओं पर चर्चा हुई। इसके बाद मनीष सिसोदिया अपने घर पहुंचे और अपनी पत्नी व सास से मिलकर भावुक हो गए।

नेपाल में नई गठबंधन सरकार का गठन

नेपाल में खडग् प्रसाद शर्मा ओली के नेतृत्व में नई गठबंधन सरकार का गठन हो गया है। सोमवार को ओली ने चौथी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। पिछले दिनों नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और सीपीएन (यूएमएल) के अध्यक्ष ओली के बीच नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए समझौता हुआ था। समझौते के बाद पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की सरकार का जाना सुनिश्चित था। नेपाल पिछले कई वषी से राजनीतिक अस्थिरता का सामना कर रहा है। वास्तव में वह संसदीय लोकतंत्र की एक विडंबना का भी सामना कर रहा है कि संसद में हासिल प्रचंड बहुमत कभी–कभी राजनीतिक स्थिरता की बजाय अस्थिरता पैदा करता है। दिसम्बर, 2017 के संसदीय चुनाव में सीपीएन (यूएमएल) और माओवादी सेंटर, दोनों ने मिल कर चुनाव लड़ा था और 275 सदस्यीय सदन में 174 सीटें जीतने में सफल हुए थे लेकिन आगे चलकर इस सरकार का भी पतन हो गया। अक्सर राजनीतिक नेताओं की व्यक्तिगत महत्त्वाकांक्षाओं के कारण ऐसा होता है। आम धारणा के विपरीत विचारधारा या कैडर आधारित पार्टियां भी लोकतंत्र की इस बीमारी से मुक्त नहीं हैं। हालांकि कम्युनिस्ट पार्टियां उदारवादी लोकतंत्र को 'बुर्जुवा लोकतंत्र' कहती हैं। यह भी कम हास्यास्पद नही है कि वर्ग संघर्ष में विश्वास करने वाली राजनीतिक पार्टियां नेपाल में सत्ता–संघर्ष में उलझ गई हैं। दो दिग्गज कम्युनिस्ट नेताओं ओली और प्रचंड की लड़ाई राजनीतिक अस्थिरता का कारण बन रही है। नई सरकार के सामने देश में राजनीतिक स्थिरता बनाए रखने की कठिन चुनौती है। राजनीतिक अस्थिरता देश के आर्थिक संकट को बढ़ा सकती है। विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष जैसी वैश्विक संस्थाओं ने चेतावनी दी है कि अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए सुधारवादी कदम नहीं उठाए गए तो नेपाल आर्थिक संकट के भंवर में फंस सकता है। ओली चीन समर्थक माने जाते हैं। उनके पिछले शासन के दिनों में भारत के संबंध नेपाल के साथ कटु हो गए थे। प्रधानमंत्री मोदी ने नये नेपाली प्रधानमंत्री ओली को बधाई दी है। वस्तुतः भारत और चीन, दोनों पड़ोसी देश नेपाल में अपने अनुकूल सरकार चाहते हैं। लेकिन नेपाल के वर्तमान राजनीतिक अस्थिरता के दौर को हल करने में इन दोनों की भूमिका निर्णायक साबित नही हो सकती। देश में राजनीतिक स्थिरता के लिए वहां के शीर्ष नेताओं को ही आगे आना होगा।

रेल की यात्रा डरावनी

एक बार फिर रेल हादसे ने देशभर में यात्रियों के लिए चिंता पैदा की है। उत्तर प्रदेश के गोंडा में चंडीगढ़–डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस की 15 बोगियां बेपटरी हो जाने की घटना में वैसे तो 3 यात्रियों की जान गई, मगर इसने रेलवे की व्यवस्था में व्याप्त कमियों और लापरवाहियों को जरूर जिंदा कर दिया है। हालांकि, हादसा मानवीय भूल की वजह से हुआ है या इसके पीछे कोई साजिश है– जैसा कि इंजन के ड्राइवर ने कहा कि हादसे के पहले जोर का विस्फोट हुआ था–यह तो जांच के बाद ही मालूम चल पाएगी, किंतु हाल के वषी में रेल की यात्रा थोड़ी डरावनी जरूर हो गई है। इससे पहले पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में कंचनजंगा एक्सप्रेस दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिसमें 9 यात्रियों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था और 40 से ज्यादा लोग जख्मी हो गए थे। देश में पहले भी रेल हादसे हुए हैं और कइयों की जान गई है, मगर हाल के वषी में दुर्घटना का स्वरूप बदल गया है। निःसंदेह मोदी सरकार के 10 वषी के दौरान रेलवे ने तरक्की की नई इबारत लिखी है, किंतु कई मामलों में अब भी रेल महकमे में सुधार की जरूरत है। खासकर संरक्षा और सुरक्षा के मसले पर सरकार को ज्यादा गंभीर और संवेदनशील होना पड़ेगा। स्वचालित सिगनलिंग प्रणाली भी सवालों के घेरे में है। इसके अलावा पायलट और लोको पायलटों को मिलने वाली सुविधा अपर्याप्त है। उन्हें आराम नहीं मिल पाता है और इंजन में भी उनके लिए सामान्य सुविधा तक की कमी दिखती है। इसी तरह संचालन प्रबंधन में कई तरह की खामियां और कमी के अलावा महत्त्वपूर्ण सुरक्षा उपकरणों की कमी और कवच प्रणाली को लागू नहीं करने के फैसले से मुंह नहीं चुराया जा सकता है। वैसे भी जब ऐसे हादसे होते हैं तो इसका खामियाजा यात्रियों की जान जाने के अलावा रेलवे की संपत्ति को हुए नुकसान से भी जोडक़र देखने की जरूरत है। सूचना के अधिकार के तहत मिली जानकारी के मुताबिक भारतीय रेल में संरक्षा श्रेणी के स्वीकृत कुल करीब 10 लाख पदों में से डेढ़ लाख से अधिक पद खाली हैं। हालांकि रेलवे ने पिछले 10 वर्षों में इस मामले में महत्त्वपूर्ण निवेश करने के साथ कई संरचनात्मक और प्रणालीगत सुधार भी किए हैं, जिनका सुरक्षित परिचालन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

पांच साल का दूसरा कार्यकाल हासिल

श्रुति व्यास

सब कुछ वैसा ही हुआ, जैसा सोचा जा रहा था। उर्सुला वॉन डेर लेन ने फिर से यूरोपीय आयोग यानी ईसी के अध्यक्ष के रूप में पांच साल का दूसरा कार्यकाल हासिल कर लिया है। यूरोपीय संसद ने 284 के मुकाबले 401 वोट से उनके नाम पर मुहर लगाई। 15 सदस्य गैरहाजिर रहे। अब तक ईसी का कोई अध्यक्ष दूसरी बार निर्वाचित नहीं हुआ था। हालांकि उनकी राह में बाधाएं थीं। 27 ईयू नेताओं का समर्थन उनको पहले से हासिल था। लेकिन यूरोपीय संसद के अनुमोदन की उन्हें आवश्यकता थी। और वहां हालात उनके अनुकूल नहीं थे। लेकिन गुरुवार को हुए मतदान में उन्होंने वहां अनुमोदन हासिल कर लिया।

उर्सुला, जो एक जर्मन राजनेता हैं, को गुरूवार को होने वाले मतदान में संसद के 720 सदस्यों में से आधे से ज्यादा, मतलब कम से कम 361, के समर्थन की जरुरत थी और उनको 401 वोट मिले। तीन राजनीतिक समूहों के समर्थन की उम्मीद उनको पहले से थी। इन तीनों को संयुक्त रूप से पिछले महीने हुए चुनाव में बहुमत हासिल हुआ था और इन समूहों ने 2019 में भी उनका समर्थन किया था। ये हैं उनकी स्वयं की मध्य–दक्षिणपंथी यूरोपियन पीपुल्स पार्टी या ईपीपी, जिसकी 188 सीटें हैं, सोशलिस्ट, जिसकी 136 सीटें हैं और उदारवादी रिन्यू, जिनकी 77 सीटें हैं।

लेकिन राजनीतिक उठापटक जोरों पर थी। तीनों समूहों के कई सांसदों ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वे वॉन डेर लेन का समर्थन नहीं करेंगे। इनमें ईपीपी समूह की फ्रांस की रूढ़िवादी कंजरवेटिव रिपब्लिकन पार्टी, जर्मनी, आयरलैंड और रोमानिया के उदारवादी तथा फ्रांस और इटली के सोशलिस्ट और कुछ अन्य सांसद शामिल थे। साथ ही, चूंकि मतदान गोपनीय होता है इसलिए इस बात की भी संभावना थी कि कुछ सांसद सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन करेंगे मगर स्ट्रासबर्ग में मतदान के समय 'नो' का बटन दबाएंगे।

असल में सैद्धांतिक तौर पर अधिकांश देशों के नेता उर्सुला वॉन डेर लेन को पसंद करते हैं। उन्होंने कई देशों द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए ऋण से पोस्ट पैनडेमिक रिकवरी फंड बनाकर दक्षिण यूरोपीय देशों को संतुष्ट कर दिया, वहीं उत्तरी यूरोप के देशों की क्लाइमेट चेंज सम्बंधी चिंताओं की ओर भी ध्यान दिया। पूर्वी यूरोप के देश, यूक्रेन के प्रति उनके दृढ़ समर्थन से खुश हैं। जर्मनी के ओलाफ स्कोल्ज, विरोधी पार्टी के होने के बावजूद अपनी हमवतन का समर्थन करेंगे। जो एकमात्र नेता उनकी जबरदस्त खिलाफत करते आ रहे हैं वे हैं हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान। कई नेता कुछ अन्य मुद्दों के चलते उर्सुला वॉन डेर लेन के खिलाफ हैं, जैसे पोलैंड के डोनाल्ड टस्क, जो उनके ही समूह के हैं लेकिन जिन्हें हाल में उनके द्वारा करवाया गया अप्रवासियों संबंधी समझौता पसंद नहीं आया। स्पेन के पेड्रो सांचेज भी उनके इजराइल समर्थक रवैए के कारण उनके खिलाफ हैं।परंतु उर्सुला में विचारधारात्मक दृढ़ता का अभाव उन्हें खतरनाक बनाता है। सन 2019 में ईयू के नेता यूरोपीय संसद पर उन्हें इसलिए थोप सके थे क्योंकि उस समय वे एक अनजान व्यक्ति थीं। मगर अब ऐसा नहीं है। ईसी में अपने पांच साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने जलवायु सम्बंधी मुद्दों सहित अन्य मामलों में वामपंथ की ओर झुकाव दिखाया। मगर फिर वे दक्षिणपंथ की ओर झुक गईं और उन्होंने ईयू की अप्रवासी नीति में अप्रवासियों को रवांडा रवाना करने जैसी योजनाओं का समर्थन किया। उनके गुण और उनकी कमियां सबके सामने हैं। कोविड महामारी के दौरान उनकी कमियां सामने आईं तो रूस के यूक्रेन पर हमले के मामले में उनके गुण। उर्सुला निःसंदेह यह दावा कर सकतीं हैं कि उन्होंने कई सफलताएं हासिल की हैं, खासतौर पर इसलिए क्योंकि उनका अधिकांश कार्यकाल संकटों का मोचन करने में बीता। वे हर संकट पर प्रतिक्रिया देती रहीं हैं और कई मामलों में उन्होंने संकट से निपटने की ज़िम्मेदारी यूरोपीय आयोग में शामिल विभिन्न राष्ट्रों के नेताओं पर छोड़ दी, जिससे आयोग के अध्यक्ष चार्ल्स मीशेल से उनकी प्रतिद्वंदिता हो गई। यह उनके लिए नुकसानदायक है।

फिर दुनिया में चल रहे दो युद्धों के मामले में उनका रुख का मसला भी है। वे यूक्रेन के मामले में जेलेंस्की का समर्थन कर रही हैं मगर गाजा युद्ध के मामले में वे पूरी तरह नेतन्याहू के साथ हैं। इस कारण भी उनकी आलोचना हुई।

मगर दुनिया और उनके पुनर्निर्वाचन के बारे में व्याप्त अनिश्चितता से उन्हें फायदा हुआ। डोनाल्ड ट्रम्प की अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर वापसी की सम्भावना है, यूक्रेन का युद्ध समाप्त होने का नाम नहीं ले रहा है, यूरोप में अति–दक्षिणपंथियों का दबदबा बढ़ रहा और एक आर्थिक ताकत के रूप में यूरोपीय संघ कमजोर हो रहा है। ऐसे में यूरोप एक नए नेता को चुनने की जोखिम नहीं ले सकता था।

तभी इस बात की काफी सम्भावना थी कि उर्सुला वापस आ जाएंगी। मगर इससे ईयू के अंदर व्याप्त अनिश्चितता और असंतोष खत्म नहीं होगा।

> तीन राजनीतिक समूहों के समर्थन की उम्मीद उनको पहले से थी। इन तीनों को संयुक्त रूप से पिछले महीने हुए चुनाव में बहुमत हासिल हुआ था और इन समूहों ने 2019 में भी उनका समर्थन किया था। ये हैं उनकी स्वयं की मध्य–दक्षिणपंथी यूरोपियन पीपुल्स पार्टी या ईपीपी, जिसकी 188 सीटें हैं, सोशलिस्ट, जिसकी 136 सीटें हैं और उदारवादी रिन्यू, जिनकी 77 सीटें हैं। लेकिन राजनीतिक उठापटक जोरों पर थी। तीनों समूहों के कई सांसदों ने सार्वजनिक रूप से कहा था कि वे वॉन डेर लेन का समर्थन नही करेंगे। इनमें ईपीपी समूह की फ्रांस की रूढ़िवादी कंजरवेटिव रिपब्लिकन पार्टी, जर्मनी, आयरलैंड और रोमानिया के उदारवादी तथा फ्रांस और इटली के सोशलिस्ट और कुछ अन्य सांसद शामिल थे। साथ ही, चूंकि मतदान गोपनीय होता है इसलिए इस बात की भी संभावना थी कि कुछ सांसद सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन करेंगे मगर स्ट्रासबर्ग में मतदान के समय 'नो' का बटन दबाएंगे। असल में सैद्धांतिक तौर पर अधिकांश देशों के नेता उर्सुला वॉन डेर लेन को पसंद करते हैं। उन्होंने कई देशों द्वारा संयुक्त रूप से दिए गए ऋण से पोस्ट पैनडेमिक रिकवरी फंड बनाकर दक्षिण यूरोपीय देशों को संतुष्ट कर दिया, वहीं उत्तरी यूरोप के देशों की क्लाइमेट चेंज सम्बंधी चिंताओं की ओर भी ध्यान दिया। पूर्वी यूरोप के देश, यूक्रेन के प्रति उनके दृढ़ समर्थन से खुश हैं। जर्मनी के ओलाफ स्कोल्ज, विरोधी पार्टी के होने के बावजूद अपनी हमवतन का समर्थन करेंगे। जो एकमात्र नेता उनकी जबरदस्त खिलाफत करते आ रहे हैं वे हैं हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओरबान।

बुलडोजर संस्कृति पर पुर्नविचार जरूरी

अजय दीक्षित

भाजपा में आंतरिक क्या अन् र्तविरोध है, यह प्रकट नहीं हो तो कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों के विवाद जनता के सामने जल्दी आ जाते हैं और टी.वी. चैनल उन्हें बड़ा चढ़ा कर दिखलाते हैं । हाल ही में दिल्ली के कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा ज्वाइन कर ली । वे एक बार पहले भी भाजपा में जा चुके थे । संजय निरुपम शिवसेना छोडक़र कांग्रेस में आये थे, अब वे राहुल गांधी से विरोध के कारण पुनः शिंदे गुट की शिवसेना में चले गये । असम के वर्तमान मुख्यमंत्री पहले कांग्रेस के अन्तरंगों में से थे । उनकी पहुंच सीधे राहुल गांधी के अन्दर के कमरे तक थी । आप की पार्टी की ओर से दिल्ली महिला आयोग की स्वाति मालीवाल से विवाद कोर्ट तक पहुंच चुका है । शाजिया इल्मी आप पार्टी की ओर से लोकसभा का चुनाव गाजियाबाद से लड़ चुकी हैं । कुमार विश्वास, आशुतोष बगैरा पूर्व आम आदमी पार्टी में रह चुके हैं । सपा के एक पूर्व प्रवक्ता आजकल भाजपा का गुणगान करते हैं । केवल आशुतोष को छोडक़र अन्य सभी पार्टी बदलने वाले अपनी पूर्व पार्टी को कोसते हैं । आध्यात्म और नैतिक दृष्टि से यह उचित नहीं है । सम्बन्धों में दरार आती है, पर वह आम जनता तक नहीं पहुंचनी चाहिए । मामलों को छोडक़र शेष में पति–पत्नी के बीच पिछले जीवनको लेकर बहुत–कुछ बुरा भला कहा जाता है । भाजपा का आंतरिक क्लेश, अच्छा है, बाहर प्रकट नहीं होता । इसी से उस पर लिखना नैतिक दृष्टि से उचित नहीं होगा । हां योगी जी की बुलडोजर कार्यवाही अब आम हो गई है । अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी इसे निभा रहे हैं । असल में बुलडोजर से किसी का घर तोडऩा एक प्रकार का दण्ड है । प्रजातंत्र में तीन स्तंभ होते हैं –– कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका । दण्ड देने का अधिकार केवल न्यायपालिका के पास होता है । अब तो बात–बात पर बुलडोजर चलता है । कहते हैं यह मकान सरकारी जमीन पर बना है, या नगर पालिका से नक्शा पास नहीं था । पूरी बस्ती ही गैर–कानूनी है । अभी पिछले दिनों पूरा नगर ही उजाड़ दिया गया ?। असल में इसके लिए न्यायालय का आदेश होना चाहिए । पर शायद यश और ख्याति बटोरने के लिए बुलडोजर चलता है । उत्तर प्रदेश में तो ऐसे उदाहरण भी हैं कि मकान पत्नी के नाम पर है परन्तु पति के किसी कार्यवाही के कारण मकान ध्वस्त कर दिया जाता है । रेलवे की पटरी के पास बहुत सी सरकारी जमीन पर लोगों ने कब्जा किया हुआ है । आखिर ऐसा क्यों होता है ।

हम कहते हैं कि हम आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थ व्यवस्था हैं और शीघ्र ही तीसरी अर्थव्यवस्था हो जायेंगे ––रूस और अमरीका के बाद । परन्तु फिर प्रति व्यक्ति आय क्यों घट रही है? क्या कोई सरकारी जमीन पर कब्जा करता है । कार्यपालिका क्या करती है? क्यों नहीं सरकारी जमीन पर पहली ईंट रखते समय ही उसे क्यों नहीं रोका जाता ? अब तो मंत्रीगण और क्षेत्र के विधायक भी उनके इलाके में हो रहे कार्यों का निरीक्षण करते हैं । विधायक कलेक्टर को भी धमकाने लगते हैं । छोटे अफसरों की तो बात ही छोड़ दो । तहसीलदार भी अब अस्पताल का निरीक्षण करके सी.एम.ओ. को धमकाते हैं । कोई मीटिंग में देर से पहुंचा तो तत्काल उसे सस्पेंड कर दिया जाता है । जब कोई मकान बनता है तो उसमें देश का सामान लगता है । लकड़ी, कांच, सीमेंट, रेत, ईंट गिट्टी बगैरा । यह बुलडोजर प्रकृति इस प्रकार देश के संसाधनों का दुरपयोग ही है । अच्छा हो मुख्यमंत्री या मंत्री गण अपनी जिम्मेदारी लें । अभी हाथरस काण्ड में कुछ निचले अधिकारी सस्पेंड हुए हैं । आखिर में तो जिम्मेदारी विधायिका की है जो नियुक्ति करती है ।

यह मेरा मित्र बहुत साहसी

डॉ. दिलीप चौबे

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी हाल की रूस यात्रा में एक अनोखी टिप्पणी की जिसकी ओर मीडिया ने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। रूस मं वैज्ञानिक केंद्र के भ्रमण के दौरान उन्होंने राष्ट्रपति ब्लादीमिर पुतिन का कंधा थपथपाते हुए कहा, 'यह मेरा मित्र बहुत साहसी है।' इस टिप्पणी का संदर्भ पुतिन के पूर्व में किए गए साहसिक कार्यों से भी हो सकता है, लेकिन इसे यूक्रेन युद्ध के संदर्भ में भी देखा जा सकता है। पुतिन ने यूक्रेन में सैनिक संगठन नाटो और अमेरिका की खुली चुनौती दी है। मोदी के 'साहसी मित्र' को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन युद्ध अपराधी करार देते हैं।

इन हालात में यह स्वाभाविक है कि मोदी की सपल यात्रा को लेकर पश्चिमी देशों की भृकुटी तनी हुई है। अमेरिका के व्हाइट हाउस, विदेश मंत्रालय और पेंटागन ने सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की है। लेकिन नई दिल्ली में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध हाल के वषी में व्यापक बने हैं, लेकिन इनकी बुनियाद ज्यादा पुख्ता नहीं है। साथ ही, उन्होंने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और रणनीतिक स्वायत्तता पर भी सवाल खड़ा किया। उनकी टिप्पणियों में भारत के लिए चेतावनी का तेवर था।

यह एक संयोग है कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई उसी समय वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित खी। इसमें सदस्य देशों तथा जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने रूस विरोधी रणनीति को अंतिम रूप दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की न अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नेता सबसे बड़े अपराधी के साथ गले मिल रहा है।'

मोदी की रूस यात्रा का मीडिया कवरेज पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर हुआ जो असाधारण है। पश्चिमी देशों के मीडिया ने एक स्वर से मोदी की यात्रा की आलोचना की तथा कहा कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यूक्रेन के टेलीविजन ने तो भारत को रूस, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया के शैतानी गठबंधन का सदस्य करार दिया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन वे भी इस यात्रा से क्षुब्ध हैं। पहले से भारत विरोधी रवैया अपनाने वाले गुटों को तो मोदी के खिलाफ विषवमन करने का एक मौका मिल गया है।

यह देखने वाली बात होगी कि पश्चिमी देशों की सरकारें आने वाले दिनों में भारत के साथ संबंधों पर क्या रवैया अपनाती हैं। इतना निश्चित है कि इन देशों में मोदी को अब पहले जैसा आदर, सत्कार और महत्त्व शायद ही मिले। अमेरिका और पश्चिमी देशों की खुफिया एजेंसियां आने वाले दिनों में मोदी सरकार के प्रति कैसा रवैया अपनातीहैं, इस पर भी भारतीय एजेंसियों को नजर रखनी होगी। पाकिस्तान में इमरान खान के साथ जैसा हुआ उसे दोहराने की कोशिश हो सकती है लेकिन भारत और पाकिस्तान तथा नरेन्द्र मोदी और इमरान खान में जमीन आसमान का अंतर है।

अमेरिका या किसी देश के लिए यह संभव नहीं है कि वह भारत को अस्थिर कर सके। यह जरूर है कि मोदी सरकार को कम बहुमत मिला है तथा देश में भी बहुत से अनसुलझे मुद्दे मौजूद हैं जिन्हें हवा दी जा सकती है। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने एनजीओ, थिंक टैंक्स और अन्य संस्थानों के जरिए पूरे देश में जाल फैला रखा है। इन्हें किसी निश्चित उद्देश्य के लिए सक्रिय किया जा सकता है। दुनिया के कई देशों में ऐसे उदाहरण हैं जब अमेरिका ने प्रतिकूल सरकारों को गिराने या अस्थिर बनाने की साजिश की है। भारत में शायद ही ऐसा हो लेकिन अपनी ओर से सतर्कता जरूरी है।

इस यात्रा की उपलब्धियों के बारे में दोनों देशों ने सार्वजनिक रूप से ज्यादा ब्यौरा नहीं दिया है, लेकिन यह निश्चित है कि सैनिक और आर्थिक मोर्चे पर जो सहमति बनी हैं, वे भविष्य में साकार होंगी। द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक बढ़ाकर 100 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखा गया है तथा डॉलर से इतर भुगतान प्रणाली पर सहमति बनी है। सैन्य उत्पादन के जरिए भारत के मेक इन इंडिया अभियान को मदद मिलेगी।

> यह एक संयोग है कि जिस समय मोदी की रूस यात्रा हुई उसी समय वाशिंगटन में सैन्य संगठन नाटो की शिखर वार्ता आयोजित खी। इसमें सदस्य देशों तथा जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे अमेरिकी सहयोगियों ने रूस विरोधी रणनीति को अंतिम रूप दिया। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की न अपनी भड़ास निकालते हुए कहा, 'दुर्भाग्यपूर्ण है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का नेता सबसे बड़े अपराधी के साथ गले मिल रहा है।' मोदी की रूस यात्रा का मीडिया कवरेज पूरी दुनिया में बड़े स्तर पर हुआ जो असाधारण है। पश्चिमी देशों के मीडिया ने एक स्वर से मोदी की यात्रा की आलोचना की तथा कहा कि भारत पर भरोसा नहीं किया जा सकता। यूक्रेन के टेलीविजन ने तो भारत को रूस, ईरान, चीन और उत्तर कोरिया के शैतानी गठबंधन का सदस्य करार दिया। पश्चिमी देशों के विश्लेषक ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं कर रहे हैं लेकिन वे भी इस यात्रा से क्षुब्ध हैं। पहले से भारत विरोधी रवैया अपनाने वाले गुटों को तो मोदी के खिलाफ विषवमन करने का एक मौका मिल गया है।

बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिटी जाह्नवी कपूर की उलझ, लाखों कमाना भी हो रहा मुश्किल

जाह्नवी कपूर स्टारर फिल्म उलझ दर्शकों को लुभाने में नाकामयाब साबित हुई है. हालांकि रिलीज से पहले फिल्म को लेकर काफी बज देखा जा रहा था लेकिन सिनेमाघरों में दस्तक देने के बाद इसकी बेहद धीमी शुरुआत हुई. वीकेंड पर भी फिल्म की कमाई में मामूली तेजी ही देखी गई. वहीं वीकडेज में तो उलझह्लकी हालत बेहद पतली हो गई है. फिल्म के लिए लाखों कमाना भी मुश्किल हो गया है. चलिए यहां जानते हैं उलझ ने रिलीज के 5वें दिन कितनी कमाई की है? जाह्नवी कपूर और गुलशन देवैया स्टारर फिल्म उलझ सिनेमाघरों में इस शुक्रवार को अजय देवगन स्टारर औरों में कहां दम था के साथ रिलीज हुई थी.

दोनों ही फिल्में अलग–अलग जॉनर की हैं. लेकिन ये दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींच कर लाने में नाकामयाब रही हैं. खासतरौ पर ह्यउलझह्ल का तो बहुत बुरा हाल है. यूं कहिए कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई है. फिल्म की शुरुआत ही बेहद खराब हुई थी और फिर ओपनिंग वीकेंड पर भी ये टिकट काउंटर पर स्ट्रगल करती हुई नजर आई. वहीं अब रिलीज के पहले हफ्ते में ही ये फिल्म लाखों में सिमट गई है.

फिल्म की कमाई की बात करें तो ह्यउलझह्ल ने रिलीज के पहले दिन 1.15 करोड़ का केलक्शन किया था. दूसेर दिन फिल्म ने 1.75 करोड़ कमाए. तीसरे दिन फिल्म की कलेक्शन 2 करोड़ रहा और चौथे दिन ह्यउलझह्ल ने 57 लाख का कलेक्शन किया. वहीं अब फिल्म की रिलीज के पांचवें दिन यानी मंगलवार की कमाई के शुरुआती आंकड़े आ गए हैं.

सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक ह्यउलझह्ल ने रिलीज के 5वें दिन यानी मंगलवार को भी 65 लाख की कमाई की है.

बॉक्स ऑफिस पर अजय देवगन–तब्बू की जोड़ी हुई फेल, उलझ का भी बुरा हाल!

अजय देवगन की फिल्म औरों में कहां दम था और जाह्नवी कपूर स्टारर उलझ ने एक साथ पर्दे पर दस्तक दी है. दोनों फिल्में 2 अगस्त को थिएटर्स में रिलीज हुईं. हालांकि ना तो औरों में कहां दम था बॉक्स ऑफिस पर कोई दम दिखा पा रही है और ना उलझ ही अपना जलवा दिखाने में कामयाब रही है. महज चार दिन में ही दोनों फिल्में करोड़ का आंकड़ा छूने के लिए जद्दोजहद करती दिख रही हैं. सैकनिल्क के आंकड़ों की मानें तो औरों में कहां दम था ने पहले दिन 1.85 करोड़ से भारतीय बॉक्स ऑफिस पर खाता खोला था. वीकेंड पर फिल्म की कमाई में इजाफा हुआ और दूसरे दिन फिल्म ने 2.15 करोड़ और तीसरे दिन 2.75 करोड़ रुपए की कमाई की थी. वही अब चौथे दिन के शुरुआती आंकड़े सामने आ गए हैं. औरों में कहां दम था ने शुरुआती आंकड़ों में चौथे दिन अब तक महज 1 करोड़ रुपए कमाए हैं.

ढ़ोल–नगाड़ों पर थिरके भारतीय खिलाड़ी, एयरपोर्ट पर हुआ भारतीय हॉकी टीम का स्वागत

नईदिल्ली, पेरिस ओलंपिक 2024 में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत लौटी मेन्स हॉकी टीम का जोरों–शोरों से स्वागत हुआ है. 10 अगस्त को दिल्ली एयरपोर्ट पर जब टीम पहुंची, तो जश्न का माहौल था, जहां ढ़ोल–नगाड़े बज रहे हैं. ऐसे में खिलाड़ी भी खुद को रोक नही पाए और भांगड़ा करने लगे. इस सेलिब्रेशन का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. टोक्यो ओलंपिक 2020 में ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारतीय हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भी ब्रॉन्ज मेडल जीता है. 52 साल बाद भारतीय टीम ओलंपिक में लगातार 2 ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल हुई है. पिछली बार 1972 में ऐसा हुआ था. पेरिस से भारत लौटी भारतीय हॉकी टीम की फ्लाइट दिल्ली एयरपोर्ट पर आई, जहां बाहर उनका ढ़ोल–नगाड़ों के साथ स्वागत हुआ.

स्पेन ने फ्रांस को हराकर फुटबॉल में स्वर्ण पदक जीता

पेरिस, स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखते हुए मेजबान फ्रांस पर 5–3 की रोमांचक जीत के साथ पेरिस 2024 में ओलंपिक पुरुष स्वर्ण पदक हासिल किया। स्पेनियों ने एक उत्साही फ्रांसीसी वापसी को काबू करते हुए 1992 के बाद अपना पहला ओलंपिक खिताब जीता। थिएरी हेनरी द्वारा प्रबंधित मेजबान टीम ने मैच की शुरुआत में ही बढ़त हासिल कर ली, जिससे पेरिस की भीड़ खुशी से झूम उठी। हालाँकि, स्पेन ने तुरंत जवाब दिया और हाफ टाइम की सीटी बजने से पहले तीन त्वरित गोल करके स्थिति बदल दी। ऐसा लग रहा था कि 3–1 की स्कोर रेखा ने स्पेनियों को नियंत्रण में कर दिया था,

लेकिन फ्रांस घरेलू धरती पर समर्पण करने के लिए तैयार नहीं था। दूसरे हाफ में फ्रांस ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 3–3 से बराबर कर दिया, जिससे मैच अतिरिक्त समय में चला गया। ऐसा प्रतीत हुआ कि गति फ्रांसीसियों के पास थी, लेकिन स्पेन के स्थानापन्न सर्जियो कैमेलो की अन्य योजनाएँ थीं। अतिरिक्त अवधि में, कैमेलो ने दो बार गोल किया, दोनों बार स्पेनिश खिलाड़ियों और प्रशंसकों के बीच जबरदस्त जश्न मनाया गया। रेयो वैलेकैनो फॉरवर्ड के निर्णायक हमलों ने स्पेन की जीत सुनिश्चित की और एक यादगार टूर्नामेंट का समापन किया। यह जीत अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्पेन की हालिया सफलता में इजाफा करती है। ठीक एक महीने पहले, उन्होंने फाइनल में इंग्लैंड को हराकर पुरुषों की यूरोपीय चैम्पियनशिप यूरो 2024 जीती थी।

म्यूजिक एल्बम जिक्रतेरा में कुणाल जयसिंह के साथ काम करना मजेदार : सुरभि चंदना

टीवी इंडस्ट्री में मशहूर एक्ट्रेस सुरभि चंदना के लाखों दीवाने हैं। उनका चुलबुला और दिलकश अंदाज फैंस को काफी पसंद आता है। इन दिनों वह अपने नए म्यूजिक एल्बम जिक्र तेरा को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इसमें उनके साथ इश्कबाज के को–स्टार कुणाल जयसिंह हैं। कुणाल जयसिंह के बारे में बात करते हुए सुरभि ने कहा, कुणाल और मैं एक दूसरे को इश्कबाज के दिनों से ही जानते हैं। इश्कबाज से पहले भी हमने साथ में एक्टिंग वर्कशॉप की थी। हमने साथ में करीब ढाई से तीन साल तक काम किया। उन्होंने कहा, इतने सालों के बाद फिर से साथ काम करना और एक–दूसरे के साथ सही जोड़ी बनाना, मेरे लिए एक बहुत ही अलग और मजेदार एक्सपीरियंस था। जिक्र तेरा एक रोमांटिक गाना है, जिसकी शूटिंग कश्मीर में हुई है। कुणाल ने गाने में राहील नामक एक गुंडे का किरदार निभाया है, वहीं सुरभि ने इनाया का रोल अदा किया है। यह गाना फील गुड ओरिजिनल यूट्यूब चैनल पर रिलीज होने वाला है। सुरभि ने फिलहाल टीवी से ब्रेक लिया हुआ है। उन्हें पिछली बार शेरदिल शेरगिल में धीरज धूपर के साथ देखा गया था।एक्ट्रेस के करियर की बात करें तो सुरभि ने अपने करियर की शुरुआत साल 2009 में मशहूर कॉमेडी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा से की थी। इसमें वह स्वीटी की भूमिका में नजर आईं। उन्हें जी टीवी के सीरियल जमाई राजा में लीड एक्ट्रेस के तौर पर सलेक्ट किया गया था, लेकिन बाद में मेकर्स ने निया शर्मा को चुन लिया। इसके बाद वह स्टार प्लस के शो एक ननद की खुशियों की चाबी... मेरी भाभी में काम किया था। वह सुजैन के रोल में थीं। वह जी टीवी के शो कुबूल है का हिस्सा रहीं। इसमें उन्होंने हया का किरदार निभाया और यहां से वह दर्शकों के बीच पहचानी जानी लगी, लेकिन लोकप्रियता इश्कबाज से मिली।

ब्रॉन्ज मेडल मैच से ठीक पहले अमन सहरावत ने 10 घंटे में कम किया 4 किलो वजन

पेरिस, पेरिस ओलंपिक 2024 में अमन सहरावत ने भारत के लिए 6वां मेडल जीता. लेकिन, अमन ने ब्रॉन्ज मेडल मैच से पहले काफी मेह

एक नजर

217 छात्रों ने दी छात्रवृत्ति परीक्षा

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : एकेश्वर के राजकीय इंटर कॉलेज नौगांवखाल व श्रीकोटखाल में मुख्यमंत्री मेधावी छात्र प्रोत्साहन छात्रवृत्ति परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें 217 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

खंड शिक्षा अधिकारी गुंजन अमरोही ने बताया कि उक्त परीक्षा के लिए 233 छात्रों ने पंजीकरण करवाया, जिसमें 217 छात्रों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। 16 छात्र अनुपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि परीक्षा को निर्विघ्न संपन्न करवाने के लिए डा. नारायण प्रसाद उनियाल व अरविंद कुमार अरोड़ा को पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया था। परीक्षा को संपन्न करवाने में महेंद्र रौतेला व संजय रावत का विशेष सहयोग रहा।

आंदोलनकारी आज से क्रमिक अनशन करेंगे

देहरादून। उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी संयुक्त मंच सरकारी सेवाओं में 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण, चिन्हीकरण को लेकर अब जिलों में भी धरना देगा। शनिवार को दून में शहीद स्मारक पर धरने के दौरान आंदोलनकारियों ने भविष्य की रणनीति बनाई। आयोजित बैठक में उत्तरकाशी, टिहरी, पौड़ी, चमोली आदि जिलों से पहुंचे आंदोलनकारियों के साथ भविष्य की रणनीति बनाई गई। तय हुआ कि रविवार से देहरादून में धरने के बदले क्रमिक अनशन किया जाएगा। प्रतिदिन दो से चार आंदोलनकारी अनशन पर करेंगे। साथ ही एक संयुक्त समन्वयक समिति का गठन किया जाएगा। इसके माध्यम से जिला स्तर पर भी आंदोलन किया जाएगा। जिलों में प्रवर समिति में शामिल विधायकों का घेराव किया जाएगा। मौके पर केशव चंद्र उनियाल, नरेंद्र राणा, वीपी रावत, मोहन सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह पंवार, रामचंद्र नौटियाल, बाल गोविंद डोभाल, खुशपाल सिंह परमार, दिनेश भारद्वाज, भानु रावत, गणेश डंगवाल, अंबुज शर्मा, वीरेंद्र रावत, संजय थापा, राधा तिवारी, आशीष उनियाल आदि मौजूद थे।

केंद्र की मोदी सरकार पूंजीपतियों को दे रही बढ़ावा

नई टिहरी। जिला किसान सभा ने थौलधार ब्लॉक के किरगणी में संयुक्त किसान मोर्चा के देशव्यापी आह्वान पर कारपोरेट भारत छोड़ो कार्यक्रम के तहत बैठक की। कहा कि केंद्र की मोदी सरकार पूंजीपतियों को बढ़ावा दे रही है। आम आदमी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहा है। लेकिन सरकार गरीब, किसान, मजदूर, युवाओं की चिंता न कर कारपोरेट घरानों को लाभ पहुंचा रही है। शुक्रवार को आयोजित किरगणी में गुलाब सिंह कठैत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में किसान सभा के राज्य उपाध्यक्ष भगवान सिंह राणा ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। जिला सचिव कृपाल सिंह कठैत ने कहा कि आजादी से पूर्व लोगों ने अंग्रेजों तुम भारत छोड़ो का नारा बुलंद किया था। लेकिन अब कारपोरेट भारत छोड़ो का नारा तेजी से प्रचलित हो रहा है। इस मौके पर नत्थी सिंह, कृष्णा कठैत,मंगल सिंह,आशा कठैत, शशि, बिशन सिंह, रणजीत सिंह, मुसदी लाल आदि आदि मौजूद थे।

एमबीपीजी में छात्राओं के बनाए उत्पादों की प्रदर्शनी

हल्द्वानी। एमबीपीजी कॉलेज के बायोटेक्नोलॉजी विभाग में उद्यमिता विकास पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला का शनिवार को समापन हो गया है। इस दौरान छात्राओं की ओर से तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई। छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के साबुन, बर्तन धोने का बार, बॉडी लोशन और लिप बाम आदि प्राकृतिक उत्पादों के निर्माण की विधि से तैयार किए। प्राचार्य डॉ। एनएस बनकोटी ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। यहां बायोटेक विभाग समन्वयक डॉ। प्रेम प्रकाश, आईएसएसी समन्वयक डॉ। सीएस नेगी, परीक्षा प्रभारी डॉ। महेश कुमार, डॉ। कविता बिष्ट, डॉ। अंजू बिष्ट, डॉ। चारु ढौंडियाल, डॉ। भूपेंद्र जीना, डॉ। सुधीर नैनवाल, हिमांशु पांडे, प्रदीप आर्या आदि उपस्थित रहे।

आरटीओ की इंटरसेप्टर टीम ने घायल को पहुंचाया अस्पताल

हल्द्वानी। बेलबाबा मंदिर क्षेत्र में सड़क दुघर्टना में घायल हुए एक बाइक सवार को परिवहन विभाग के इंटरसेप्टर प्रवर्तन दल ने एसटीएच में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार घटना बीते शुक्रवार की है। एआरटीओ प्रमोद चौधरी और उनकी टीम बेलबाबा मंदिर के पास दोपहर बाद स्पीड रडार गन से वाहनों की स्पीड जांच रही थी। इसी दौरान रुद्रपुर की ओर से आ रहे एक बाइक सवार को पीछे से एक कार ने टक्कर मार दी थी। जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। एआरटीओ ने बताया कि दोनों वाहनों की स्पीड सामान्य थी।

बांग्लादेश पर फूटा हिंदू संगठनों का गुस्सा, फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बांगलादेश में हिंदू समुदाय के लोगों के साथ हो रहे अत्याचार पर विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल सहित अन्य नागरिकों का गुस्सा फूट पड़ा। सदस्यों ने बांगलादेश के खिलाफ आक्रोश रैली निकालते हुए उसका पुतला दहन किया। कहा कि हिंदू समुदाय पर किसी भी तरह का अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

शनिवार को सदस्यों ने हिंदू पंचायती धर्मशाला से आक्रोश रैली निकाली। इसके उपरांत विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष मुकेश बहुखंडी, बजरंग दल जिला संयोजक मनोह शाह के नेतृत्व में झंडाचौक में बांगलादेश का पुतला दहन किया। हिंदू संगठनों ने बांगलादेश के कट्टर पंथियों पर हिंदुओं पर नरसंहार व कत्लेआम का आरोप लगाया। कहा कि बांगलादेश में सरकार का तख्ता पलटने से अराजकता का माहौल बना हुआ है। बांगलादेशी कट्टरपंथी हिंदुओं को निशाना बना रहे है व हिंदुओं के आस्था के केंद्र मंदिरों को जला दिया है। हिंदुओं के व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूटपाट की जा रही है। महिलाओं के साथ अत्याचार किए जा रहे है, जिससे बांगलादेश में रह रहे हिंदुओं में दहशत व भय का माहौल बना हुआ है। हिंदू संगठनों ने बांगलादेश की सरकार को हिंदुओं के खिलाफ नरसंहार रोके जाने की मांग की है। कहा कि यदि बांगलादेश की सरकार हिंदुओं की रक्षा करने में नाकाम रही तो भारत में भी हिंदू संगठनों के माध्यम से बांगलादेशियों को देश से बाहर खदेड़ दिया जाएगा। इस मौके पर हर्ष भाटिया, राजगौरव नौटियाल, सौरभ नौडियाल, राजेंद्र जजेड़ी, विजय लखेड़ा, राजेंद्र जखमोला, दिवाकर लखेड़ा, कमल नेगी सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

बांगलादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों के विरोध में पुतला दहन करते सदस्य

नृत्य प्रतियोगिता में नीलगिरी सदन रहा अव्वल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : बलभद्रपुर स्थित डीएवी पब्लिक स्कूल के वार्षिकोत्सव पर नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान नीलगिरि सदन ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राधानाचार्य नितिन भाटियान ने दीप प्रज्जवलित कर किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में कक्षा पांच से लेकर आठवीं कक्षा के छात्रों ने लोकगीतों पर आधारित नृत्य की प्रस्तुति दी। शिवालिक सदन ने गुजराती, नीलगिरि सदन ने गढ़वाली, हिमालयन सदन ने मराठी व अरावली सदन ने राजस्थानी लोकगीतों पर मनमोहन नृत्य प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। नृत्य प्रतियोगिता में नीलगिरि सदन ने प्रथम और अरावली व शिवालिक सदन ने संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

प्रतियोगिताओं में आराध्य व सौम्य रही प्रथम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन में आर्मी वाइफज वेलफेयर एसोसिएशन (आवा) के स्थापना दिवस के मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुई। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता में आराध्य और पोस्टर प्रतियोगिता में सौम्या प्रथम स्थान पर रही।

आवा की अध्यक्ष रेखा नेगी के मार्गदर्शन में विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। स्लोगन लेखन प्रतियोगिता प्री प्राइमरी वर्ग में आराध्य, विधि, रणादित्य सिंह ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रणवी व याना को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया।

प्राथमिक वर्ग की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सौम्या, आर्यन, आरोही क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। आरुष गुसाईं, आराध्या को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। जूनियर वर्ग की पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में लक्षित महेश ने प्रथम, अनुष्का काले और आयत नसीम ने संयुक्त रूप से द्वितीय व पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय लैंसडौन की अद्विका नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। केंद्रीय विद्यालय की दीपिका बिष्ट, एपीएस की दिव्या, गौरी नेगी व आद्या रस्तोगी को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया।

सीनियर वर्ग में अंशिका सकलानी, देविका अनूप और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय की साक्षी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पाया। प्रतियोगिता में आर्मी पब्लिक स्कूल लैंसडौन और पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य विजेंद्र दत्त सुंद्रियाल ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में देश के प्रति एकता और देश प्रेम की भावना उजागर होगी।

चेक बाउंस में युवक को एक वर्ष का कारावास, लाखों का लगा अर्थदंड

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मनोज कुमार द्विवेदी की अदालत ने चेक बाउंस के एक मामले में युवक को एक वर्ष का कारावास व दो लाख रुपये का अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड अदा नहीं करने पर आरोपी को छह माह का अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। मामले में काशीरामपुर मल्ला निवासी सुधांशु थपलियाल ने बताया कि उन्होंने अगस्त 2022 में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसमें उन्होंने बताया था कि अभियुक्त ग्रास्टनगंज ईदगाह निवासी जफर खान उनका परिचित था। एक दिन अभियुक्त ने उससे एक लाख 60 हजार रुपये उधार मांगे और जल्द ही वापस लौटाने का आश्वासन दिया। लेकिन, कई माह बीत जाने के बाद भी अभियुक्त ने पैसे वापस नहीं किए। काफी चक्कर काटने के बाद आभियुक्त ने मार्च 2022 में उन्हें भारतीय स्टेट बैंक शाखा देवी रोड का एक चेक दिया। बताया कि जब वह चेक को बैंक में जमा करवाने पहुंचे तो वह बाउंस हो गया। चेक बाउंस का नोटिस देने के बाद भी अभियुक्त ने कोई जवाब नहीं दिया। अधिवक्ता अजय कुमार पंत व प्रवेश रावत ने बताया कि शनिवार को मामले की सुनवाई करते हुए न्यायालय ने अभियुक्त जफर खान को एक वर्ष की सजा के साथ ही दो लाख रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। जिसमें से एक लाख 90 हजार रुपये अभियुक्त को परिवादी को देने होगी। शेष दस हजार रुपये अर्थदंड राजकोष में जमा किए जाएंगे।

साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने कहा कि समाज में लगातार बढ़ रहे साइबर अपराध से बचाव के लिए जागरूकता जरूरी है। साइबर अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस भी लगातार कार्रवाई कर रही है। इस दौरान उन्होंने लोगों के पूर्व में खोए व चोरी हुए फोन भी वापस दिलवाए। कहा कि साइबर टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद लोगों के यह फोन बरामद किए हैं। शनिवार को कोटद्वार पहुंचे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह ने लोगों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया। कहा कि किसी भी तरह की साइबर ठगी होने पर इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दें। कहा कि पुलिस अपराधों के नेटवर्क को तोड़ने का पूरा प्रयास कर रही है। वर्तमान में क्राइम का ट्रेंड बदल रहा है। जिसके लिए पुलिस को ज्यादा कार्य करना होगा। कहा कि पौड़ी जनपद में साइबर क्राइम व फाइनेंशियल क्राइम की 603 शिकायतें दर्ज की गई हैं, जिनमें से 51 एफआईआर दर्ज हो गई है। जिनमें से 59 आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कहा कि जनपद की साइबर सेल ने साइबर ठगी के मामलों में बहुत अच्छा कार्य किया है। 62 मामलों को निबटारा करते हुए साढे छत्तीस लाख रूपए की धनराशि पीड़ितों को लौटा दी है। उन्होंने नशे के कारोबार पर भी पूरी तरह से रोक लगाने के लिए पुलिस की प्रतिद्धता दोहराई। कहा कि बाहर से नशा सप्लायरों के खिलाफ सख्ती बरती जा रही है। इस मौके पर सीओ विभव सैनी, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मणि भूषण श्रीवास्तव मौजूद रहे।

आमजन को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लोकेश्वर सिंह

शिक्षकों के लिए करके सीखने की कार्यशाला आयोजित

देहरादून। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट में सरकारी शिक्षकों के लिए आनन्दम पाठ्यचर्या पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 200 शिक्षकों का प्रशिक्षण होना है। इसके लिए एक्सीपेरिमेंटल लर्निंग के तहत कक्षा एक से आठवीं तक के छात्रों के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। प्रभारी प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान राम सिंह चौहान ने सभी शिक्षकों को आनन्दम के उद्देश्यों से अवगत कराते हुए कहा कि आनन्दम पाठ्यचर्या ना सिर्फ विद्यार्थियों बल्कि हमारे लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हैं।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र ATHARV RAMOLA के स्थान पर भूलवश ATHRAV RAMOLA हो गया है, जो कि गलत है। मेरा पुत्र ATHARV RAMOLA के नाम से जाना व पहचाना जाता है। मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र व आधार कार्ड में नाम ATHARV RAMOLA अंकित है।

राहुल रमोला 18003292N.HAV पुत्र स्व0 सुरेन्द्र सिंह निवासी धरासू, चौबट्टाखाल, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0346/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी नं0 272462871 में मेरा नाम अशोक गुसाईं (ASHOK GUSAIN) अंकित हो गया है, जो कि गलत है। मेरे समस्त दस्तावेजों में मेरा नाम रितेश गुसाईं (RITESH GUSAIN) अंकित है, जो कि मेरा सही व वास्तविक नाम है।

अतः मेरे भारतीय जीवन बीमा निगम की पालिसी नं0 272462871 में मेरा नाम अशोक गुसाईं (ASHOK GUSAIN) के स्थान पर रितेश गुसाईं (RITESH GUSAIN) अंकित किया जाय।

(0345/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पारेश्वर प्रसाद पुत्र श्यामलाल द्वारा मुझे ग्राम रतनपुर, पट्टी सनेह, कोटद्वार, गढ़वाल के खाता सं0 37 के खेत सं0 8, 9, 10/1, 11, 13, 14, 15 एवं 16 की 0.022 है0/2380 व0मी0 भूमि रजिस्ट्री दि0 23-11-2007 से विक्रय की गयी थी। उक्त भूमि श्री पारेश्वर प्रसाद द्वारा श्री सोहन सिंह पुत्र पितमू व श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र हरीश सिंह से रजिस्ट्री दिनांक 30-10-2006 से क्रय की गयी थी। उपरोक्त दोनों रजिस्ट्री में से मूल रजिस्ट्री दि० 30-10-2006 मुझसे कहीं खो गयी है। जो काफी खोजबीइन करने पर भी नहीं मिल रही है। मुझे बैंक से ऋण लेने के लिए मूल रिजस्ट्री दि0 30-10-2006 की आवश्यकता है। यदि किसी व्यक्ति को रजिस्ट्री दि0 30-10-2006 मिलती है तो वह तुरन्त मुझे उपलब्ध करवा दे। इस सन्दर्भ में मैनं थाना कोटद्वार में 01-08-2024 को गुमशुदगी करवायी गयी है तथा उसका कोई भी इस्तेमाल गैर-कानूनी होगा।

चन्द्र भानु प्रकाश पुत्र बच्चीराम, ग्राम पोखड़ा, तहसील चौबट्टाखाल, गढ़वाल, मो0 7500396250

(0344/21)

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती अंजना सन्तोषी पत्नी श्री सत्यकाम भूमि भाग खाता सं0 33 खेत सं0 68, 69 रकबा 158 वर्गमीटर ग्राम ध्रुवपुर, पट्टी सुखरौ, परगना भाबर, तहसील कोटद्वार, जनपद पौड़ी गढ़वाल की मालिक काबिज है। यह कि उक्त सम्पत्ति की श्रृंखला में अंकित पूर्व विक्रय पत्र दिनांकित 12.12.2011 जो कि श्री रमेश सिंह पुत्र स्व0 श्री खुशाल सिंह (कुशाल सिंह) द्वारा श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री गुणानन्द निवासी के हक में अंकित व निष्पादित की थी। जिसका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार कोटद्वार के यहां बुक सं0 01, जिल्द 332, पृष्ठ 214, ए0डी0एफ0 बुक सं0 1 जिल्द 367 पृष्ठ 305 से 312 मय सीरियल नं0 4795 दिनांकित 12.12.2011 को दर्ज व पंजीकृत है, मेरी व्यवहारिणी से कहीं खो गयी है तथा काफी तलाश करने पर भी नहीं मिल रही है।

अतः यदि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त विक्रय पत्र मिले जो इस विज्ञप्ति के दिनांक के 15 दिन के अन्दर अधोहस्तारितकर्ता को सूचित करें।

दिनांक : 09-08-2024

(नीरज चावला)
एडवोकेट
ऑफिस-ओपो0 एस0डी0एम0 कोर्ट
देहरादून
मो0नं0 8057791577, 9412346827

(0340/21)

घर-घर तिरंगा फहराने को चलाएंगे अभियान

आयोजित बैठक में भाग लेते भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : आजादी उत्सव पर घर-घर तिरंगा फहराने के लिए भारतीय जनता पार्टी की ओर से विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत लोगों को अपने घरों की छत पर तिरंगा लहराने के लिए जागरूक किया जाएगा। इसके लिए बकायदा क्षेत्र में तिरंगा रैली भी निकाली जाएगी।

शनिवार को भाजपा रिखणीखाल मंडल की बैठक में हर घर तिरंगा अभियान के मुख्य संयोजक मोहन सिंह नेगी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के दिन प्रत्येक घर में तिरंगा लहराएं, इसकी जिम्मेदारी समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों की है। बताया कि क्षेत्र में तिरंगा रैली भी निकाली जाएगी। साथ ही घर-घर में जाकर ग्रामीणों को तिरंगे भी वितरित किए जाएंगे। कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि 15 अगस्त के दिए देश के प्रत्येक घर में तिरंगा लहराएं। इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को एकजुट होकर कार्य करना होगा। जिला मीडिया प्रभारी विनोद रावत ने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को 15 अगस्त तक होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। इस मौके पर जिला मंत्री राकेश देवरानी, जिला महामंत्री किसान मोर्चा दिनेश रावत, जिला कार्यकारिणी सदस्य महेंद्र सिंह नेगी, गोवर्धन प्रसाद टम्टा, जिला पंचायत सदस्य शालिनी बलोधी, अनिल ध्यानी, भारत सिंह, बृजमोहन देवरानी, सुनील सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

क्रिश्चियन कॉलोनी के लोगों ने रखी अपनी समस्याएं

देहरादून। कांग्रेस ने जनसंवाद कार्यक्रम के तहत शनिवार को राजपुर रोड स्थित किश्चियन कॉलोनी में लोगों की समस्या सुनी।

प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री नवीन जोशी ने बताया कि इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। उन्होंने मोहल्ले में पानी भराव, गंदगी होने, आवारा कुत्तों का भय होने के साथ ही स्ट्रीट लाइट खराब होने की समस्याएं रखीं। जोशी ने कहा कि कॉलोनी की समस्याएं हल नहीं होती हैं तो वह नगर निगम का घेराव करेंगे।

इस मौके पर कांग्रेस प्रवक्ता आशीष नौटियाल, राहुल सोनकर राजा भाई, गिरिराज हिन्द्वान, सरताज, साजदा, आमिल आदिल,कृष्णा, शाहिदा, जमीला , अफरोज, आरती, शिवानी, गुड़िया, ज़ारा, रीना, अमीरा, पोली, आशा, विनोद, समेत अन्य मौजूद रहे।

मार्ग पर धमका हाथी, मची अफरा-तफरी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : कोटद्वार-रामणी-पुलिंडा मोटर मार्ग पर उस समय अफरा-तफरी मच गई जब अचानक जंगल से निकलकर एक हाथी बीच सड़क पर पहुंच गया। मार्ग पर घूम रहे लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। कोटद्वार-रामणी-पुलिंडा मार्ग पर हाथी की धमक थमने का नाम नहीं ले रही। आए दिन हाथी जंगल से निकलकर मार्ग पर धमक रहा है। शनिवार को भी अचानक हाथी जंगल से निकलकर सड़क पर आ गया। जिसके कारण मार्ग के दोनों ओर वाहनों का लंबा जाम लगा हुआ था। करीब आधे घंटे तक सड़क पर टहलने के बाद हाथी वापस जंगल की ओर गया। मार्ग पर लगातार बढ़ रही हाथी की धमक से सबसे अधिक खतरा मार्ग पर टहने वाले लोगों को बना हुआ है। जबकि, वन विभाग पूर्व में कई बार लोगों को चेतावनी भी दे चुका है। मालूम हो कि उक्त मार्ग पर हाथी कई बार लोगों पर हमला भी कर चुका है। कुछ वर्ष पूर्व हाथी ने एक पुलिस कर्मी को भी मौत के घाट उतार दिया था। बावजूद इसके मार्ग पर घूमने वाले लोग लापरवाह बने हुए हैं।

जीवन का मर्यादा पूर्ण होना बहुत जरूरी : मुकेश चतुर्वेदी

भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया, झूमे श्रद्धालु

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : सिद्धपीठ एकेश्वर महादेव मंदिर में एकेश्वर मंदिर कल्याण समिति की ओर से आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के पांचवे दिन श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ मौजूद रही। इस दौरान बधाई गीतों से शुरू हुए कार्यक्रम के तहत शनिवार को पुतना वध एवं भगवान के नामकरण की कथा संपन्न हुई। कथावाचक आचार्य मुकेश चतुर्वेदी ने कहा कि व्यक्ति अपने कर्मों से महान बनता है। जीवन का मर्यादा पूर्ण होना बहुत जरूरी है। मर्यादा के बिना जीवन निरर्थक है।

कथा वाचक आचार्य मुकेश चतुर्वेदी एकेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा सुनाते हुए।

एकेश्वर महादेव मंदिर में श्रीमद् भागवत कथा सुनते हुए श्रद्धालु।

कथावाचक आचार्य मुकेश चतुर्वेदी ने भगवान की लीलाओं के प्रसंग का बड़े ही मार्मिक तरीके से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण का कंस के कारागार में हुआ था। श्रीकृष्ण का जन्म होते ही कारागार के ताले स्वयं खुल गए। बंदी रक्षक गहरी नींद में सो गए। देवकी और वासुदेव की हथकड़ी व बेड़ियां खुल गईं। वासुदेव जब कृष्ण को अपने मित्र नंद बाबा के घर ले जा रहे थे, रास्ते में उन्हें यमुना नदी को पार करना था। उन्होंने जैसे ही यमुना नदी में प्रवेश किया तो नदी का जलस्तर बढ़ने लगा। वासुदेव ने अपने पुत्र को पानी से बचाने के लिए उन्हें दोनों हाथों से ऊपर उठा लिया। फिर भी यमुना का जलस्तर निरंतर बढ़ता रहा। भगवान कृष्ण ने यमुना जी के मंतव्य को समझ लिया और अपना पैर निकालकर यमुना के जल से स्पर्श किया।

इसके बाद यमुना जी साधारण रूप में आ गईं और वासुदेव नदी पार कर नंद बाबा के घर पहुंचे।

इस मौके पर हरिओम शाह, धीरज सिंह रावत, हरेंद्र सिंह पंवार, सतेन्द्र सिंह पंवार, दिनेश सिंह पंवार, पंडित राकेश हिंदवान, कृष्ण कांत, नरेश पसबोला, अंकित बहुखण्डी, हिमांशु बहुखण्डी, सौरभ सिलमाना, मंदिर समित के अध्यक्ष कुलदीप जोशी, प्रकाश चन्द्र जदली, तेजपाल सिंह पंवार, हरीश बडोला, सुनील रावत, प्रेम पाण्डेय, नवल किशोर सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

बारिश के कारण नैलचामी के कई घरों में घुसा मलबा

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक की नैलचामी पट्टी में ग्रामीणों में लगातार बारिश होने से आपदा की आशंका बनी हुई है। 31 जुलाई को बादल फटने से जखन्याली गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई थी। शुक्रवार रात को हुई भारी बारिश के क्षेत्र के गई गांवों में मकानों, खेतों और संपर्क मार्गों को नुकसान पहुंचा है। बारिश के बाद नैलचामी गाड रौद्र रूप में दिखाई दी। बारिश से नैलचामी के कई घरों में मलबा भी घुसा है।

शुक्रवार रात को नैलचामी, हिंदाव पट्टी में तेज गर्जना के साथ जमकर बारिश हुई। जिससे लोग सहम गए। रातभर लोग डर के कारण सो नहीं पाए। नैलचामी के जाख गांव में बारिश के कारण भूस्खलन से ग्रामीण चंदन लाल की गोशाला में मलबा घुस गया। जिससे वहां रखे बर्तन और अन्य सामान दब गए। गोशाला में बंधी भैंस को उन्होंने समय रहते बाहर निकाल दिया। ग्राम प्रधान ममता देवी ने बताया कि घटना की सूचना तहसील प्रशासन को दी गई है।

वहीं हिंदाव पट्टी के अंथवाल गांव की कुलाना तोक में भूस्खलन से मूलगढ–अखोड़ी मोटर मार्ग बंद हो गया। इसी गांव की तोपार खोली बस्ती में निवासरत 25 परिवारों के घरों में पानी घुस गया। जिससे वहां खतरा बढ़ गया है। अंथवाल गांव की प्रधान रेखा देवी ने बताया कि कुलना तोक में बीते तीन वर्षों से भूस्खलन जोन सक्रिय है। यहां पर विकासखंड कार्यालय की ओर से लगाई क्रेट वायर भी मलबे में बह गई। भूस्खलन से सड़क अवरुद्ध होने के साथ ही बस्ती को खतरा बना हुआ है। उन्होंने जिलाधिकारी से उक्त स्थान पर स्थाई ट्रीटमेंट कार्य करने की मांग की। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी बृजेश भट्ट ने बताया कि उक्त क्षेत्रों में नुकसान की सूचना मिली थी। राजस्व टीम को मौके पर भेजकर आंकलन किया जा रहा है।

बताया कि जखन्याली के ग्रामीणों ने शनिवार को आपदा प्रभावित क्षेत्र में बदबू फैलने की सूचना दी। विभागीय टीम ने जेसीबी से वहां खुदाई की। लेकिन कुछ नहीं मिला। वहां जानवर दबे होने की संभवना जताई गई है।

जौनसार–बावर की ग्यारह सड़कों पर बाधित रहा यातायात

विकासनगर। बारिश के चलते शनिवार को क्षेत्र के ग्यारह मोटर मार्गों पर यातायात बाधित रहा। जबकि दो मार्ग पिछले पन्द्रह दिनों से बंद हैं। लंबे समय से सड़कें बंद होने से लोग परेशान हैं। पिछले पन्द्रह दिनों से ड्यूडीलानी से ढलीन–सकरौल मोटर मार्ग, ठलीन–बडैथ–पिनगिरी मोटर मार्ग बंद होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। शनिवार को लोक निर्माण विभाग चकराता के क्यारा पुल–कोटा–मयूंडा मोटर मार्ग दो जगह, सहिया क्षेत्र के दो प्रदेशों को जोड़ने वाले हरिपुर–इच्छाडी–क्वानु–मीनस मोटर मार्ग, कालसी–बैराटखाई मोटर मार्ग, सहिया–क्वानु मोटर मार्ग चेता बैंड के पास, दातनु–बडनु–जोशी–गौथान–खतार मोटर मार्ग, गोथाम मोटर मार्ग, बाड़वाला–जुड्डो मोटर मार्ग, झिटाड मोटर मार्ग, कुनेन मोटर मार्ग दो जगह से, धवेरा से देऊमोटर मार्ग तीन जगह से और जगथान मोटर मार्ग पर यातायात बाधित रहा।

स्वतंत्रता दिवस समारोह में स्वयं सेवी ज्योति राज्य का करेंगी प्रतिनिधित्व

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : 15 अगस्त 2024 को दिल्ली में होने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन के द्वारा उत्तराखंड राज्य से दो युवाओं को आमंत्रित किया गया है, जिसमें जनपद पौड़ी की चयनित युवा प्रतिभागी ज्योति ग्राम सिमखेत को भाग लेने का अवसर मिला है।

जिला युवा अधिकारी शैलेश भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि पूरे देश से युवाओं के मध्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले 68 युवा प्रतिभागियों को इस वर्ष मायभारत स्वयं सेवी के रूप में स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्रतिभाग करने का अवसर मिला है, जिसमें पौड़ी गढ़वाल जिले की पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवी ज्योति उत्तराखंड राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगी।

ज्योति द्वारा जल संरक्षण, वृक्षारोपण, मेरी माटी मेरा देश, नारी शक्ति फिटनेस दौड़, वर्ष 2023 में राष्ट्रीय युवा महोत्सव, कर्नाटक में फूड स्टॉल में टीम का प्रतिनिधित्व, जिला स्तरीय पड़ोस युवा संसद कार्यक्रम, राज्य स्तरीय सांस्कृतिक उत्सव में प्रतिभाग करने के साथ ही वर्तमान में चलाए जा रहे माय भारत पोर्टल का युवाओं के मध्य जागरूकता करने आदि कार्य किए गए। वर्तमान में ज्योति युवा मंडल सिमखेत विकास क्षेत्र पाबौ की अध्यक्षा भी हैं।

एक नजर

नेशनल पिचिंग कंप्टीशन के लिए 15 महिलाओं का चयन

देहरादून। श्री गुरु राम राय यूनिवर्सिटी में विमेनोवेटर की ओर से आयोजित वी पिच कंपटीशन प्रदेश की 15 महिलाओं को चुना गया। ये महिलाएं अब नई दिल्ली में होने वाले नेशनल पिचिंग कंप्टीशन में भाग लेकर अपना बिजनेश आइडिया बताएंगी। इस बारे में जानकारी देते हुए विमेनोवेटर की स्टेट हेड प्रिया गुलाटी ने बताया कि इस तरह के प्लेटफार्म महिलाओं को बहुत कम मिलते हैं। जहां वे अपने बिजनेस आइडिया को लोगों के आगे रख सके और फंडिंग के लिए सरकार से अपेक्षा कर सके। इसी वजह से इस पिच कंप्टीशन का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में राज्य मंत्री उद्यमिता विनोद उनियाल,पूर्व राज्य मंत्री रविंद्र सिंह आनंद, खादी बोर्ड की अधिकारी डॉक्टर अलका पांडे और उद्यमी मधु मरवा सहित कई लोग मौजूद रहे।

इनका हुआ चयन : हरिद्वार से अर्चना गोयल, रुड़की से नीला रानी, देहरादून से पूजा रावत, वेदिका खट्टर एवं सिमरन मोगा,श्रेया, निमेष, फरजाना , डॉ बिनु भदौरिया, प्रिंसी, कविता पाल, अदिति शर्मा, सोनम घई ,जसलीन कौर, यशिका गुप्ता और पीयूष।

भाजपा के दल ने किया आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

देहरादून। आपदा ग्रस्त क्षेत्रों में नुकसान के आंकलन के लिए गठित भाजपा के पांच सदस्यीय दल ने रुद्रप्रयाग जिले के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावितों से मुलाकात की। आपदा प्रभावितों से मिले सुझाव को लेकर यह टीम अब जल्द ही पार्टी हाई कमान को अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। भाजपा प्रदेश महामंत्री आदित्य कोठारी के नेतृत्व में रुद्रप्रयाग के दौरे पर गई टीम ने रुद्रप्रयाग जिले में आपदा से प्रभावित सभी क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों से आपदा राहत बचाव के साथ ही विभिन्न विषयों को लेकर बातचीत हुई। उन्होंने बताया कि इस दौरान स्थानीय लोगों ने कालीमठ जाल चौमासी मार्ग जल्द बनाने की पैरवी की गई। कोठारी ने कहा कि स्थानीय लोगों को बताया गया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी इस मार्ग को पहले ही स्वीकृति दे चुके हैं और इसका सर्वे भी शुरू कर दिया गया है। समिति के सदस्यों ने आपदा ग्रस्त उखीमठ ब्लॉक के सोनप्रयाग, गौरीकुण्ड एवं चौमासी का स्थलीय निरीक्षण करने के बाद लोगों से बातचीत की। इसके साथ ही रामपुर मे आपदा पीड़ितों के साथ ही स्थानीय व्यापारियों, होटल स्वामियों, घोडा,डंडी, कंडी यूनियन, टैक्सी यूनियन एवं तीर्थ पुरोहित समाज के साथ अलग–अलग बैठकें की गईं। टीम में जिला प्रभारी ऋषि कंडवाल, कर्णप्रयाग के विधायक अनिल नौटियाल, रूद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, प्रदेश मंत्री मीरा रतूड़ी शामिल रहे। इस दौरान जिला अध्यक्ष महावीर पंवार, पूर्व विधायक आशा नौटियाल, राज्यमंत्री चंडी प्रसाद भट्ट आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने मालदेवता कालेज में की ड्रेस कोड की मांग

देहरादून। छात्रों ने राजकीय डिग्री कालेज मालदेवता रायपुर में ड्रेस कोड लागू करने की मांग की है। इसके लिए पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कुलदीप पंवार के नेतृत्व में छात्रों ने प्राचार्य को ज्ञापन दिया। इसमें ये कहा गया कि कालेज में नीला ड्रेस कोड लागू किया जाए। छात्रों ने श्रीदेव सुमन विवि पर रिजल्ट में गड़बड़ी का भी आरोप लगाया। कुलदीप पंवार ने कहा कि बीएससी दूसरे सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम में विवि ने दोबारा छात्रों को फेल कर दिया है। जबकि छात्रों का कहना है कि हमारे पेपर सही से हुये थे तो सभी छात्र कैसे फेल हो सकते हैं। पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष कुलदीप पंवार ने बताया कि गड़बड़ी को देखते हुए प्राचार्य का घेराव किया गया। प्राचार्य के माध्यम से श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक प्रो. सीएस नेगी को छात्रों की समस्याओं से अवगत कराया कि बीएससी तृतीय वर्ष के पेपर में भी यही गड़बड़ी हुई थी।

हरघर तिंरगा यात्रा 13 को युवा मोर्चा के नेतृत्व में निकाली जायेगी

देहरादून। भारतीय जनता पार्टी मसूरी मंडल की बैठक में हर घर तिरंगा और तिरंगा शोभायात्रा को उत्साह से मनाने का आह्वान किया गया। आम जनता के बीच भागीदारी कर राष्ट्रीयता भी भावना को जगाने के साथ ही देश के प्रति समर्पण का आहवान किया। कुलड़ी स्थित एक रेस्टेरेंट के सभागार में आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं का आहवान किया गया। कहा कि स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा देकर लोगों को प्रोत्साहित करें।

एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य स्टेम के माध्यम से ही संभव है: राज्यपाल

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शनिवार को आंचलिक विज्ञान केंद्र, झाझरा में उत्तराखण्ड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकॉस्ट) और विज्ञानशाला इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वाधान में विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) के क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता और जागरूकता हेतु एक दिवसीय कार्यशाला में प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य में ''शी फॉर स्टेम'' (रौ ऋङ्क१ रळएट) का शुभारंभ राज्यपाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल ने आंचलिक विज्ञान केंद्र में डिजिटल लाइब्रेरी, स्टेम डैशबोर्ड और लैब ऑन व्हील परियोजना के डैशबोर्ड का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने स्टेम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर रही 05 महिलाओं, डॉ. बिनीता फर्त्याल, निधि पंत, डॉ. रीमा पंत, डॉ. मनीषा और डॉ. जयश्री सनवाल को सम्मानित किया।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि स्टेम वर्तमान समय की आवश्यकता है आज दुनिया भर स्टेम के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त हो रहा है। एक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य स्टेम के माध्यम से ही संभव है। उन्होंने कहा कि दुनिया के वह देश लगातार आगे बढ़ रहे हैं जिन्होंने स्टेम शिक्षा के ऊपर ध्यान दिया है।

राज्यपाल ने कहा कि स्टेम के क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी महिलाओं की स्थिति को मज़बूत और प्रभावशाली बनाएगी, जिससे समाज में उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हमें बालिकाओं का रूझान इस ओर बढ़ाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नवाचार एवं तकनीकी क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भविष्य में देश की उन्नति के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है। इसीलिए देश महिलाओं को स्टेम में करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्टेम शिक्षा की पहुंच हमारे दूरस्थ गांवों तक जरूरी है इसके लिए यूकॉस्ट द्वारा किए जा रहे प्रयास प्रशंसनीय है।

राज्यपाल ने कहा कि यह जरूरी है कि सभी विश्वविद्यालय एवं कॉलेज अपने संस्थान के अधिक से अधिक छात्राओं एवं प्राध्यापकों को इस मुहिम से जोड़ें। उन्होंने कहा कि ''शी फॉर स्टेम'' के माध्यम से प्रदेश में ऐसा वातावरण तैयार करें, जहां महिलाएं एवं बालिकाएं स्टेम के क्षेत्र में नवाचार, उद्यमिता और परिवर्तन की मिसाल बनें। यही समय है कि मातृशक्ति को सशक्त करते हुए उन्हें वैश्विक चुनौतियों का समाधान हेतु सक्षम बनाने में हम सब पूरे मनोयोग के साथ सहयोग करें।

अंग्रेजी मानसिकता से निकलने के लिए कानूनों में बदलाव हुआ: धर

देहरादून। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के संपर्क विभाग की ओर से शनिवार को त्यागी रोड स्थित एक होटल में भारतीय अपराध संहिता में हुए बदलावों पर चर्चा की गई।

मुख्य वक्ता वरिष्ठ अधिवक्ता एसके धर ने कहा कि कानूनों में बदलाव अंग्रेजी मानसिकता से निकलने के लिए जरूरी कदम है।

संगोष्ठी में एक जुलाई से देशभर में लागू नए आपराधिक कानून, भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों में हुए बदलावों की जानकारी दी गई। अधिवक्ता धर ने कहा कि भारतीय कानूनों में बदलाव इंडिया से भारत की ओर जाने का प्रभावी कदम है। डा. पूनम रावत ने इलेक्ट्रानिक साक्ष्य और उससे जुड़े बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने कानूनी अड़चनों और व्यवहारिकता को लेकर नए–पुराने कानूनों के प्रावधान पर चर्चा की। गोष्ठी की अध्यक्षता पूर्व रजिस्ट्रार जनरल उच्च न्यायालय उत्तराखंड डीपी गैरोला ने की। उन्होंने कानूनी प्रणाली में आए बदलाव को जरुरी कदम बताया। मंच संचालन अधिवक्ता लक्ष्मी गुसाईं ने किया।

मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश गुप्ता, राजीव गुप्ता, बलदेव पराशर, नीरज पांडे, वीके शर्मा, योगेंद्र तोमर, राजबीर बिष्ट, अनिल कुमार शर्मा, अरुण उनियाल, निश्चल शर्मा, शुभांग गोयल, विशाल जिंदल, श्रीकांत, मयंक गौर, अरुण सक्सेना, लक्ष्मी गुसाईं, अनुज शर्मा आदि मौजूद थे।

कमजोर जांच से छूट रहे ड्रग्स तस्कर

– अपराधों की कथित गैर पेशेवर जांच पर उत्तराखंड हाईकोर्ट ने जताई सख्त नाराजगी

नैनीताल। उत्तराखंड हाईकोर्ट ने सूबे में नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े गंभीर अपराधों की कथित गैर पेशेवर जांच पर सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने पुलिस कर्मियों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित करने की जरूरत बताई है। अदालत ने कहा है कि गंभीर मामलों की जांच सही तरीके से नहीं होने के कारण अपराधी छूटते जा रहे हैं।

न्यायमूर्ति विवेक भारती शर्मा की पीठ ने यह टिप्पणी एनडीपीएस के तहत जेल में बंद 68 साल दयावती की अपील पर सुनवाई के दौरान की। ऊधमसिंह नगर जिले के जसपुर के अमियावाला गांव निवासी दयावती को गांजा तस्करी के मामले में अदालत ने दोषी मानते हुए पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने दोषपूर्ण जांच के चलते उसे जमानत प्रदान कर दी।

अपीलकर्ता के अधिवक्ता आदित्य प्रताप सिंह ने जांच पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि गवाहों के बयानों में विसंगतियां हैं। महत्वपूर्ण साक्ष्य ट्रायल कोर्ट के समक्ष पेश नहीं किए गए। ना तो अभियोजन पक्ष की ओर से ही अनिवार्य वैधानिक प्रावधानों का पालन किया गया है। न तो जांच अधिकारी और न ही अभियोजन पक्ष की ओर से इस प्रकरण के दो प्रमुख गवाहों को जांच प्रक्रिया में शामिल किया गया जो गंभीर खामी है।

अदालत ने भी माना कि जांच दोषपूर्ण है और जांच अधिकारी ने अपने कर्तव्यों का सही निर्वहन नहीं किया है। अदालत ने ट्रायल कोर्ट की कार्य प्रणाली पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि ट्रायल कोर्ट की ओर से भी इस मामले में अपनी शक्ति का उपयोग नहीं किया गया। अदालत ने अपने आदेश में साफ कहा कि दंडनीय अपराधों की दोषपूर्ण जांच से आरोपी गंभीर अपराधों में बरी हो जाते हैं जो सही नहीं है।

अदालत ने आगे कहा कि देश में ड्रग्स तस्करी एक बड़ी चुनौती है। तोड़ने वाली ताकतों ने देश के खिलाफ एक युद्ध छेड़ रखा है। यह स्थिति खतरनाक है। एनसीबी ने भी अपनी वेबसाइट में कहा है कि ड्रग्स तस्कर नई तकनीक का सहारा ले रहे हैं। इनमें डार्कनेट और ड्रोन भी शामिल हैं।

अदालत ने कहा– अपराधियों के बरी होने से उनका साहस बढ़ता है। यही नहीं इससे कानून का डर भी खत्म हो जाता है। इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को रोकने के लिए यह बहुत जरूरी है कि जांच पेशेवर तरीके से की जाए।

इंटर स्कूल स्पेलिंग में विजेता बना ओएसिस

ऋषिकेश। मॉम्स जूनियर विंग में इंटर स्कूल स्पेलिंग बी प्रतियोगिता शनिवार को आयोजित की गई। प्रतियोगिता में कुल 14 विद्यालयों के 28 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। फाइनल मुकाबला द ओएसिस ने जीता। प्रतियोगिता का शुभारंभ क्विज मास्टर सोनल कौर ने किया। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिताएं छात्रों को विभिन्न तरीकों से वर्तनी सीखने का मंच देती हैं। इस से छात्रों को अपनी वर्तनी सुधारने, शब्दावली बढ़ाने, उच्चारण में सुधार करने और सही अंग्रेजी के उपयोग को विकसित करने में मदद मिलती है। शीर्ष पांच टीमें एलिमिनेशन राउंड से फाइनल राउंड तक पहुंच गईं। विद्यार्थियों ने उलझे हुए शब्दों से सार्थक शब्द बनाए, जो रोजमर्रा की जिंदगी में आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले शब्दों से उनके परिचय को दर्शाते हैं।

सामाजिक कार्यकर्ताओं पर्यावरणविदों ने असंतुलित विकास पर जताई चिंता

देहरादून। सामाजिक संस्था धाद और दून लाइब्रेरी रिसर्च सेंटर द्वारा हरेला माह में देहरादून के बढ़ते तापमान, असंतुलित विकास और घटती हुई हरियाली को लेकर दून लाइब्रेरी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान मुख्य वक्ता पर्यावरणविद डॉ रवि चोपड़ा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन एक ग्लोबल चिंता है। उन्होंने कहा कि देहरादून का तापमान 43 डिग्री जाना भी उसी का परिणाम है। इससे बचने का तरीका पेड़ पौधे और हरियाली ही है कहमें ज्यादा से ज्यादा स्थानीय संसाधनों का इस्तेमाल करना चाहिए व पेड़ लगाने के साथ–साथ उसके रख रखाव का भी ध्यान रखना चाहिए। एक सवाल का जवाब देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता रीनू पॉल ने कहा कि दून वेली में नदियों, रिजर्व फॉरेस्ट, नहरों, नाले और खेतों की सुन्दर संरचना थी। आज यह हीट आईलैंड बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि इसका एक कारण देहरादून के आसपास के वनों का विभिन्न परियोजनाओं के चलते कटान होना और शिवालिक रेंज का कटाव भी है कसिटिजन फॉर ग्रीन दून के हिमांशु अरोड़ा ने धाद संस्था को इस तरह के सत्र आयोजित करने के लिए बधाई दी। उन्होंने सहस्त्रधारा रोड पर काटे गए पेड़ों को लेकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे धाद के अध्यक्ष लोकेश नवानी ने कहा ज्यादातर विकासशील देशों में हो रहा अनियोजित विकास पर्यावरण असंतुलन को जन्म दे रहा है और हम सबका विकास की इस धुरी पर घूमना एक बड़ी विडंबना है। उन्होंने कहा कि देहरादून में तापमान 43 डिग्री के पार जाना और दूसरी जगहों पर सूखा, अतिवर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के साथ ही क्लाइमेट चेंज का एक बड़ा सवाल हमारे सामने खड़ा हो गया है। ऐसे में विचार करना जरूरी होगा कि आने वाले समय में हमारे विकास का मॉडल क्या हो? हमारी जीवनशैली में क्या बदलाव हो और हम एक नागरिक समाज के रूप में अपने शहर को इस आपदा से बचाने के लिए कैसी भूमिका निभाएं?। धाद के सचिव तन्मय ममगाई ने संस्था के कार्यों पर प्रकाश डाला। सत्र का संचालन हिमांशु आहूजा ने किया। इस दौरान डॉ एस एस खैरा, हर्ष मणि व्यास, सुरेश कुकरेती, अतुल शर्मा, सुरेंद्र अमोली, अवधेश शर्मा, गणेश उनियाल, उत्तम सिंह रावत, नरेंद्र सिंह रावत, ब्रिगेडियर केजी बहल, इरा चौहान, आशा डोभाल, सुशील त्यागी, रेखा शर्मा, रंजना शर्मा, चारू तिवारी आदि मौजूद थे।

समर्थ पोर्टल में तकनीकी खामियों के चलते मेधावी छात्रों को होना पड़ रहा अपने सपनों से समझौता करने को मजबूर

ऋषिकेश। सरकारी सिस्टम की खामियों के कारण शीर्ष अंक पाने वाले मेधावी छात्रों को पहले दाखिले के लिए दर–दर भटकना पड़ा और अब पसंदीदा विषय चुनने से भी वंचित होना पड़ा है। जबकि, कम अंक वाले छात्रों को पहली मैरिट सूची में स्थान देने के साथ पसंदीदा विषय दे दिए गए। प्रदेश के शीर्ष सरकारी विश्वविद्यालय ऋषिकेश परिसर में उच्च शिक्षा विभाग की ओर से संचालित समर्थ पोर्टल में तकनीकी खामियों के चलते मेधावी छात्रों को अपने सपनों से समझौता करने को मजबूर होना पड़ रहा है। यह विडंबना ही है कि कम अंक वाले छात्रों को पसंदीदा विषय दे दिए, जबकि ज्यादा अंक वाले वालों गृह विज्ञान, संस्कृत, संगीत जैसे शेष अंतिम विषय दिए गए हैं।समर्थ पोर्टल के रूप में नई व्यवस्था

उच्च शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के सरकारी विश्वविद्यालयों व संबद्ध महाविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया में एकरूपता लाने के उद्देश्य से समर्थ पोर्टल के रूप में नई व्यवस्था की गई है। समर्थ पोर्टल में आवेदन प्रक्रिया के अंतर्गत कई तकनीकी खामियों के कारण मैरिट सूची के निर्धारण का आधार प्राप्तांक न होकर ह्यपहले आओ–पहले पाओह्ल बनता नजर आ रहा है, जिससे सैकड़ों मेधावी छात्र प्रभावित हो रहे हैं।

दरअसल, श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि के ऋषिकेश परिसर में बीए प्रथम सेमेस्टर में प्रवेश के लिए पहली मैरिट सूची जारी हुई, जिसमें सामान्य श्रेणी में सर्वाधिक प्राप्तांक 1154 व कटआफ 676 रही। इसके बाद दूसरी सूची में कटआफ 525 (पुरूष) व 487 (महिला) रही। जबकि तीसरी सूची में मैरिट उन मेधावियों को मौका दिया गया, जिनके सर्वाधिक अंक थे और ये पहली मैरिट के हकदार थे। तीसरी सूची में सर्वाधिक प्राप्तांक 1159 व कटआफ 662 (पुरूष व महिला) रही। इसी 894 से 753 कर प्राप्तांक वालों को भी छठी सूची में स्थान मिल सका। मैरिट सूची की इस विसंगति के कारण प्रारंभिक सूची में स्थान पाने वाले छात्र–छात्राओं को दो पसंदीदा विषय चुनने में प्राथमिकता दी गई है। इससे मुख्य विषयों की सीटें प्रारंभ में ही फुल हो चुकी हैं। जबकि तीसरी, चौथी, पांचवीं व छठवीं सूची के ज्यादा प्राप्तांकों वाले मेधावियों को पसंदीदा विषय लेने से वंचित होना पड़ गया है। ये छात्र राजनीति विज्ञान, मनोविज्ञान, इतिहास, इंग्लिश, इकोनामिक्स जैसे मुख्य विषय लेना चाहते हैं, लेकिन अब वे अंत में बचने वाले गृह विज्ञान, संस्कृत, संगीत आदि विषय लेने को मजबूर हो रहे हैं। इसके अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं है।

कुल 550 सीटें, शीर्ष 198 को मिलता है पसंदीदा विषयः श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विवि के ऋषिकेश परिसर में समर्थ पोर्टल प्रभारी श्रीकृष्ण नौटियाल के अनुसार, पहले बीए में 616 सीटें थीं, लेकिन इसमें गणित विषय की 66 सीटें कम की गई हैं, जिसके कारण वर्तमान में 550 सीटें उपलब्ध हैं। इनमें राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इंग्लिश जैसे मुख्य विषयों की 198 सीटें हैं। इन्हीं विषयों की सबसे ज्यादा मांग रहती है। मैरिट में 199वें व इसके बाद वाले छात्र मुख्य विषय चुनने से वंचित रह जाते हैं। बताया कि बीए में छह विषय हैं, जिनमें दो विषय कोर फैकल्टी के होते हैं, जिन्हें अपनी पसंद से चुनना होता है।

मैरिट में विसंगति का ये है कारण

दरअसल, राज्य के सभी सरकारी विवि व संबद्ध महाविद्यालयों में दाखिला प्रक्रिया समर्थ पोर्टल पर ही संचालित की जा रही है। मौजूदा नये सत्र 2024–25 में राज्य के अधिकांश विवि व महाविद्यालयों में सीटों की तुलना में आवेदनों में कमी देखने को मिली थी,

मानदंडों के अनुसार काम से ही शिक्षा में होगा सुधार

देहरादून। शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता कायम करने के लिए उन सभी मानदंडों की समझ और जानकारी होना जरूरी है। जिन पर गुणवत्ता की परख की जाती है। आज राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर गुणवत्ता मापन के विभिन्न आयामों को प्रयोग में लाया जा रहा है। लेकिन जब तक प्रत्येक शिक्षक को उन आयामों की जानकारी नहीं होगी, तब तक शिक्षा की गुणवत्ता के लक्ष्य को प्राप्त करना संभव नहीं होगा । ये बात दून विवि की कुलपति प्रो. सुरेखा डंगवाल ने शनिवार को आंतरिक गुणवत्ता प्रकोष्ठ की कार्यशाला में कही। डा. सुरेखा कहा कि इसलिए आवश्यकता है कि समय–समय पर शिक्षा की गुणवत्ता मापन के लिए प्रयोग में लाये जा रहे आयामों पर विवि के शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी विमर्श एवं मंथन करें। कहा कि इस कार्यशाला से विश्वविद्यालय की शिक्षण पद्धति, परीक्षा–मूल्यांकन एवं शोध की गुणवत्ता में सुधार के बेहतर विकल्प तलाशे जायेंगे।

बाल आयोग अध्यक्ष ने स्कूल के पास से शराब की दुकानें हटाने के निर्देश दिए

देहरादून। बाल संरक्षण आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना ने शनिवार को मसूरी के विद्यालयों की बैठक ली। उन्होंने कहा कि यह बैठक सभी विद्यालयों को एक मंच पर लाने के लिए आयोजित की गई ताकि नियमों का अनुपालन हो सके। इस मौके पर स्कूलों की शिकायत पर उन्होंने स्थानीय प्रशासन को स्कूलों के पास से शराब और तंबाकू की दुकानें हटाने के निर्देश दिए। मसूरी पब्लिक स्कूल में आयोजित बाल संरक्षण शनिवार को आयोजित आयोग की बैठक में आयोग की अध्यक्ष गीता खन्ना ने कहा कि आज जरूरत भारत के आधार पर शिक्षा देने की है। विद्यालयों में नियम कानून कहा पालन हो रहा है कहां नहीं हो रहा। इस मौके पर विद्यालयों की समस्याओं को सुना गया जिसमे `विद्यालयों के निकट शराब की दुकानों, तंबाकू की दुकानों होने की बात कहीं गयी। वहीं उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में संख्या बहुत कम पायी गई इस पर भी विचार किया जायेगा ताकि विद्यालयों को कम किया जा सके या उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। उन्होंने कहा कि उन्होंने घनानंद अटल उत्कृष्ट विद्यालय का निरीक्षण किया जहां अच्छी सुविधाएं देखने को मिली। उन्होंने कहा कि पूर्व की बैठक में एसडीएम को कहा था कि विद्यालयों के निकट शराब की दुकानों पर कार्रवाई की जाय। विद्यालयों के पीटीए की बैठक नियमित की जानी चाहिए, शिकायत बाक्सों पर की गई शिकायतों का निस्तारण किया जाना चाहिए। इस मौके पर एमपीएस की प्रधानाचार्या जोवितो मुखर्जी सहित मसूरी के विभिन्न

चौकीदार के नाम पर दिल्ली में 20 करोड़ों का कारोबार, जांच हुई तो मचा हड़कंप

चंपावत। लोहाघाट से एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां गैस एजेंसी में तैनात एक चौकीदार के नाम से पंजीकृत कंपनी की ओर से करोड़ों का व्यापार किया गया है। 9 अगस्त को फर्म का भौतिक सत्यापन करने राज्य कर विभाग की टीम चौकीदार के लोहाघाट के चांदमारी के पते पर पंजीकृत कंपनी की जांच करने पहुंची तो हड़कंप मच गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि टीकम सिंह नाम से पंजीकृत फर्म ने तेलंगाना से करोड़ों रुपए की कपड़े की खरीद कर इसे दिल्ली में बिक्री दर्शाया है। फिलहाल टीकम सिंह नाम के व्यक्ति ने बताया कि उसको फिलहाल इस कंपनी के बारे में कोई जानकारी नहीं है। कंपनी के संचालन में टीकम सिंह नाम के व्यक्ति के सभी दस्तावेज लगे हैं।

पंजीकृत फर्म ने जुलाई 2023 से पहले कोई भी लेनदेन नहीं किया था। लेकिन जुलाई माह के बाद से करीब 20 करोड़ के लेनदेन का मामला सामने आने के बाद अधिकारी भी हैरान हो गए। इसके बाद अपर आयुक्त रुद्रपुर जोनल के निर्देश पर सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार के नेतृत्व में राज्य कर की टीम लोहाघाट पहुंची। जहां पूरे मामले की जांच पड़ताल की है। बताया जा रहा कि टीकम मूल रूप से उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद के रहने वाले हैं। पिछले 18 वर्षों से लोहाघाट स्थित गैस एजेंसी में चौकीदारी कर रहे हैं।

सहायक आयुक्त अखिलेश कुमार ने बताया कि संबंधित फर्म से लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। भौतिक सत्यापन की जांच आख्या तैयार कर उच्च अधिकारी को सौंपी जाएगी। आगे शीर्ष स्तर से ही निर्णय लिया जाएगा। जानकारी में सामने आया है कि तेलंगाना में 20 करोड़ रुपए के कपड़ों की खरीदारी हुई थी। इसका भुगतान दिल्ली में उनके नाम से खुले बैंक खाते से हुआ था।

सर्वहारानगर का छात्र लापता

ऋषिकेश। कोतवाली क्षेत्र स्थित सर्वहारानगर से घर से स्कूल के लिए निकला एक 14 वर्षीय छात्र संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। आसपास के खोजबीन के बाद भी परिजनों का उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजन शिकायत लेकर कोतवाली पहुंचे। तहरीर पर पुलिस ने छात्र की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश को प्रयास तेज कर दिए हैं।

कोतवाली पुलिस के मुताबिक मोतीलाल पटेल निवासी सर्वहारानगर, ऋषिकेश ने यह शिकायत दी है, जिसमें बताया कि 14 वर्षीय भतीजा घर स्कूल की यूनिफार्म में सुबह निकला था, मगर वह दोपहर तक वापस नहीं आया, तो स्कूल से जानकारी ली, तो पता चला कि वह स्कूल आया ही नहीं।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली महिला वैज्ञानिकों का सम्मान

ऋषिकेश। एम्स ऋषिकेश में शनिवार को राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन हुआ, जिसमें विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. सविता मल्होत्रा और डॉ. शेफाली गुलाटी को सम्मानित किया गया। एम्स ऋषिकेश में एनएएमएस के तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ मुख्य अतिथि जीवा की अंतरराष्ट्रीय महासचिव साध्वी भगवती सरस्वती, एम्स की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह, डीन एकेडमिक प्रोफेसर डॉ. जया चतुर्वेदी व चिकित्सा अधीक्षक प्रोफेसर डॉ. संजीव मित्तल, प्रोफेसर डॉ. दिगंबर बेहरा ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य अतिथि साध्वी भगवती सरस्वती ने उपचार और आध्यात्मिक सेवा पर प्रेरणाप्रद संबोधन दिया। उन्होंने चिकित्सक को ईश्वर तुल्य बताया, कहा कि दीन दुखियों की सेवा ईश्वरीय सेवा ही है। निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने कहा कि विज्ञान एवं चिकित्सा के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान व सतत सक्रिय कार्यों के लिए उनका सम्मान व प्रोत्साहन नितांत आवश्यक हैं। प्रो. दिगंबर बेहरा ने कहा कि यह कार्यक्रम विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में महिलाओं द्वारा दिए गए महति योगदान देने वाली महिलाओं का एक उल्लेखनीय उत्सव है। इस दौरान विज्ञान के प्रति महिलाओं के समर्पण और योगदान के लिए डॉ. प्रज्ञा यादव, डॉ. सविता मल्होत्रा और डॉ. शेफाली गुलाटी को सम्मानित किया गया। मौके पर एनएएमएस के अध्यक्ष प्रो. शिव कुमार सरीन, प्रो. जया चतुर्वेदी, प्रो. संजीव मित्तल, डॉ. वंदना ढींगरा, डॉ. राजलक्ष्मी, डॉ. भावना गुप्ता, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. ओसामा, डॉ. प्रदीप अग्रवाल, डॉ. अनीश गुप्ता, डॉ. मधु प्रिया, डॉ. बेला के, प्रो. मनोज गुप्ता, प्रो. प्रशांत पाटिल, प्रो. वर्तिका सक्सेना, प्रो. शैलेंद्र हांडू, डॉ. नम्रता गौर, डॉ. मिर्जा, डॉ. नवीन कंसल, डॉ. योगेश बहुरूपी आदि उपस्थित रहे।

श्रीराम सेना ने जुलूस निकालकर किया प्रदर्शन

देहरादून। श्रीराम सेना की ओर से बंग्लादेश में हिंदू पर हो रहे अत्याचार का विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने शनिवार को अधोईवाला से घंटाघर तक जुलूस निकाला और बंग्लादेश के खिलाफ प्रदर्शन किया।

हरिद्वार में 10 साल में सब्जियों के दामों में औसतन दो से चार गुना तक बढ़ोतरी

हरिद्वार। हरिद्वार में सब्जियों के दाम लगातार बढ़ रहे हैं। पिछले दस सालों की तुलना में सब्जियों के दामों में औसतन दो से चार गुना तक बढ़ोतरी हुई है। सब्जियों के दाम आवक, पैदावार और मांग पर निर्भर करते हैं। साल 2013 की तुलना में साल 2024 में सब्जी मंडी में गोभी के दाम छह गुना तक बढ़ गए हैं। शिमला मिर्च के दामों में पांच गुना और नींबू के दामों में चार गुना तक इजाफा हुआ है। इसी तरह टमाटर भी चार गुना और आलू दोगुना दामों पर थोक में बिक रहे हैं। प्याज और लौकी के दाम में डेढ़ गुना तक की बढ़ोतरी हुई है।

मंडी के बाहर फुटकर में भी डेढ़ से दोगुना तक दाम बढ़ाकर बेची जा रही हैं। बीते दो माह में सब्जियों की फसल अधिक धूप के कारण खेतों में खराब हो गई। इस कारण सब्जियों की आवक कम है लेकिन सब्जियों की मांग बनी हुई है। मांग ज्यादा और सब्जी की आवक

काम होने की वजह से सब्जियों के दाम बढ़े हुए है। मंडी के भीतर और मंडी के बाहर सब्जियों के दामों में इजाफा हुआ है। हालांकि साल 2013 सितंबर माह में सब्जियों प्याज, टमाटर आदि के दामों में बड़ा इजाफा हुआ था। मांग और आवक के अनुसार सब्जियों के दाम मंडी और फुटकर बाजार में घटते और बढ़ते रहते हैं।

सब्जियां 2013 2024

लौकी	10	15
तौरी	10	10
शिमला मिर्च	20	100
गोभी	10	60
नींबू	20	80
प्याज	24	40
आलू	12	25
टमाटर	10	38

नोट दाम मंडी के भीतर थोक में रुपये प्रति किलो के हिसाब से हैं।

युवा क्रोध वह प्रेम पर नियंत्रण रखें: स्वाति मिश्रा

देहरादून। सेंट जॉर्ज कॉलेज मसूरी में वर्ष 2024 के लिए ह्यकौनफ्लूऐंशियल सीरीज़ के सातवें वक्तव्य का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य वक्ता मनोविज्ञानी डॉ स्वाति मिश्रा ने रही। कार्यक्रम के शुभारंभ पर स्कूल क्वायर ने एक मधुर गीत प्रस्तुत किया। मनोविज्ञानी डॉ.मिश्रा ने छात्रों को किशोरावस्था की चुनौतियों–मुख्यतया सकारात्मक व नकारात्मक व्यक्तित्व की पहचान के बारे में विस्तृत विवरण दिया। इस अवस्था में उत्पन्न होने वाले भावों जैसे क्रोध और प्रेम को नियंत्रित